राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 174 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, बुधवार , 05 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

खास ख़बर

दिल्ली मेट्रो, बसें पूरी क्षमता के साथ चलेंगी

नई दिल्ली। इस सप्ताह शहर की बसें और मेट्रो ट्रेन अपनी पूरी क्षमता के साथ चलेंगी। दिल्ली सरकार ने आशंका जताई थी कि बस स्टैंड और मेट्रो स्टेशन संक्रमण के प्रसार के बड़े केंद्र बन सकते हैं क्योंकि वहां लंबी कतारें देखी गई थी। सरकार ने बस और मेट्रो में यात्रियों के बैठने की क्षमता 50 प्रतिशत तक कर दी थी। लोगों से केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने का अनुरोध किया जाता है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो डीडीएमए के सभी नए नियमों का पालन करेगी।

आरएसएस से जुड़े संगठनों की समन्वय बैठक तेलंगाना में

हैदराबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विभिन्न संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों की तीन दिवसीय समन्वय बैठक का बुधवार से यहां आयोजन किया जाएगा। संघ के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया समन्वय बैठक यहां अन्नोजीगुडा में होगी, जिसमें आरएसएस से संबद्ध विभिन्न संगठनों के शीर्ष पदाधिकारी शरीक होंगे।

गुजरात: धातु परत वाले मांझे से पटरी के पास पतंग न उड़ाएं

अहमदाबाद। पश्चिमी रेलवे के अहमदाबाद डिविजन ने मंगलवार को लोगों को आगामी उत्तरायण उत्सव के दौरान पटरियों के पास धातु की परत वाले मांझे से पतंग उड़ाने के विरूद्ध आगाह किया। रेलवे द्वारा जारी परामर्श में कहा गया कि उच्च वोल्टेज वाली तारों में उलझे सामान्य मांझे या पतंग को निकालने की कोशिश के दौरान भी लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है।

रविदास मंदिर के लिए जमीन की पूरी कीमत देने को तैयार : चन्नी

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम चन्नी ने कहा कि नई दिल्ली के तुगलकाबाद में गुरु रविदास मंदिर के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण का पूरा खर्च उठाने को उनकी सरकार तैयार है। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2019 में तुगलकाबाद में रविदास मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था लेकिन बाद में शीर्ष अदालत ने मंदिर के पुनःनिर्माण की अनुमति दी थी। डीडीए ने चमरवाला जोहर तुगलकाबाद समिति से, चार सौ वर्ग मीटर जमीन के अधिग्रहण के लिए 4.33 करोड़ रुपए जमा करने को कहा है।

टीकों का मिश्रण एंटीबॉडी प्रतिक्रिया को चार गुना बढ़ाता है

एजेंसी ■ हैदराबाद

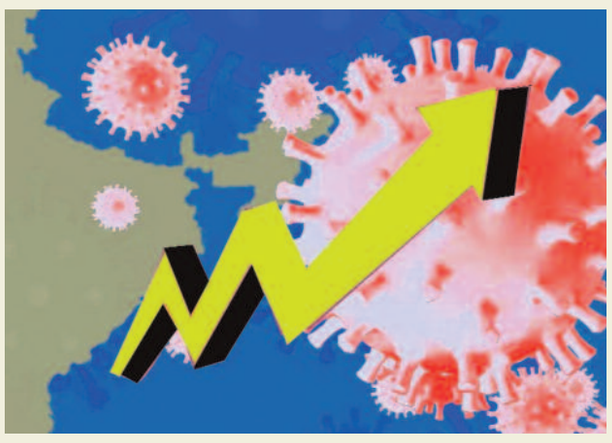

कोविड-19 टीके कोवैक्सीन और कोविशील्ड टीकों के मिश्रण को पहली और दूसरी खुराक के रूप में लेना चार गुणा ज्यादा प्रभावी है। एशियन हेल्थकेयर फाउंडेशन के अनुसंधानकर्ताओं की एक टीम के साथ शहर स्थित एआईजी हॉस्पिटल्स द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह कहा गया है। एआईजी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में सोमवार को बताया गया कि एंटीबॉडी प्रतिक्रिया की जांच के साथ-साथ कोविशील्ड और कोवैक्सीन

के मिश्रण की सुरक्षा प्रोफ़ाइल निर्धारित करने के लिए अध्ययन किया गया था। एआईजी हॉस्पिटल्स के प्रमुख डी नागेश्वर रेड्डी ने कहा कि अध्ययन की सबसे महत्वपूर्ण खोज यह थी कि मिश्रित टीका समूहों में पाए जाने वाले स्पाइक-प्रोटीन को निष्क्रिय करने वाले एंटीबॉडी समान टीका समूहों की तुलना में काफी अधिक थे। अध्ययन में शामिल अनुसंधानकर्ताओं में से एक, डॉ रेड्डी ने कहा, स्पाइक-प्रोटीन को निष्प्रभावी करने वाली एंटीबॉडी वे हैं जो वायरस को मारती हैं और समग्र संक्रामकता को कम करती हैं। हमने पाया कि जब पहली और दूसरी खुराक अलग-अलग टीकों की होती है, तो स्पाइक-प्रोटीन एंटीबॉडी प्रतिक्रिया एक ही टीके की दो-खुराक की तुलना में चार गुना अधिक होती है। निष्कर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, जब तीसरी अतिरिक्त खुराक देने पर विचार किया जा रहा है।

मणिपुर में पीएम मोदी

4800 करोड़ की 22 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

एजेंसी ■ इम्फाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहां 4800 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली 22 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने करीब 1850 करोड़ रुपए लागत वाली 13 परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 2950 करोड़ रुपए लागत वाली नौ परियोजनाओं की आधारशिला रखी। यह परियोजनाएं सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शहरी विकास, आवास, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, कला और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं।

क्षेत्र में बेहतर संपर्क सुविधा बहाल करने के लिए प्रधानमंत्री ने पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने इम्फाल से सिलचर के लिए साल भर निर्बाध संपर्क बढ़ाने के लिए बराक नदी पर बने स्टील ब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने 2,387 मोबाइल टावर का लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान राज्य में पेयजल आपूर्ति की थौबल बहुउद्देश्ईय जल संचरण प्रणाली परियोजना , तामेंगलोंग मुख्यालय के लिए जल संरक्षण द्वारा जलापूर्ति योजना और क्षेत्र के निवासियों को नियमित जलापूर्ति प्रदान करने के लिए सेनापति जिला मुख्यालय जलापूर्ति योजना का भी उद्घाटन किया। उन्होंने इम्फाल में पीपीपी आधार पर बनने वाले अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखी। साथ ही राज्य में कोविड से संबंधित बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने कियामगेई में 200 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल का उद्घाटन किया।

कोरोना मामलों में बढ़ोतरी तीसरी लहर की दस्तक

■ नई दिल्ली

टीकाकरण संबंधी राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के कोविड-19 कार्य समूह के अध्यक्ष डॉ. एन के अरोड़ा ने कहा है कि भारत के बड़े शहरों में कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में ओमीक्रोन स्वरूप के मामले 50 प्रतिशत से भी अधिक हैं और पिछले एक सप्ताह में मामलों में तेज बढ़ोतरी वैश्विक महामारी की तीसरी लहर की ओर इशारा करती है, लेकिन इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। अरोड़ा ने पीटीआई भाषा से कहा कि देश के अधिकतर राज्यों में ओमीक्रोन के मामले पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों और आस-पास के इलाकों में दैनिक मामलों में वायरस के नए स्वरूप के मामले 50 प्रतिशत से भी अधिक हैं। उन्होंने कहा, पिछले एक सप्ताह में कोविड-19 के मामलों में तेज बढ़ोतरी तीसरी लहर का संकेत देती है, जो कि दुनिया के कई अन्य देशों में भी देखी जा रही है।

बहरहाल, उन्होंने जोर दिया कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। अरोड़ा ने कहा कि देश में 80 प्रतिशत से अधिक लोग वायरस से प्राकृतिक रूप से संक्रमित हो चुके हैं, 90 प्रतिशत से अधिक वयस्कों को कोविड-19 रोधी कम से कम एक टीका लग चुका है और 65 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है।

दिल्ली में सप्ताहांत पर कर्फ्यू रहेगा : डीडीएमए

दिल्ली में कोविड-19 के मामले बढ़े

दिल्ली में आवश्यक सेवाओं के अलावा, सभी सरकारी अधिकारी घर से काम करेंगे। निजी कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे। दिल्ली में सोमवार को कोविड-19 के 4,099 नए मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 6.46 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

देश में ओमीक्रोन के मामले बढ़कर 1,892 हुए

देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के अब तक।,892 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 766 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या विदेश चले गए हैं। नए स्वरूप के महाराष्ट्र में सबसे अधिक 568 मामले सामने आए और इसके बाद दिल्ली में 382, केरल में 185, राजस्थान में 174, गुजरात में 152, और तमिलनाडु में 121 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड-19 के 33,379 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,49,60,261 हो गई है।

बंगाल तीसरी लहर की चपेट में

कोलकाता। पूर्वी भारत का सबसे बड़ा महानगर कोलकाता कोविड -19 महामारी की तीसरी लहर की चपेट में है, जिसके फरवरी तक बने रहने की आशंका है और इस महीने के दूसरे सप्ताह में संक्रमण के मामले चरम पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने इसके लिए बड़ी सभाओं और उत्सवों के लिए अनुमति देने में राज्य प्रशासन की ओर से दूरदर्शिता की कमी के साथ ही आम लोगों की आत्मसंतुष्टि को जिम्मेदार ठहराया।

फ्रांस में कोरोना वायरस के नए स्वरूप

वैज्ञानिकों ने दक्षिणी फ्रांस में कोविड-19 के नए स्वरूप की पहचान की है। आईएचयू के रूप में नामित बी.1.640.2 संस्करण को आईएचयू मेडिटेरेनी इंफेक्शन के शोधकर्ताओं ने कम से कम 12 मामलों में पाया है। इसे अफ्रीकी देश कैमरून की यात्रा से जोड़कर देखा जा रहा है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जहां तक संक्रमण और टीकों से सुरक्षा का संबंध है, तो इस बारे में अभी अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

गलवान घाटी

भारतीय सेना के नए साल के जश्न की तस्वीरें सामने आईं

नई दिल्ली। सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने मंगलवार को नए साल के जश्न के हिस्से के रूप में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में एक बड़ा तिरंगा पकड़े भारतीय सेना के जवानों की तस्वीरें जारी कीं। इसे चीन के सरकारी मीडिया द्वारा जारी उस वीडियो के जवाब में जैसे को तैसा की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें तीन दिन पहले गलवान घाटी क्षेत्र के पास एक स्थान से चीनी लोगों को नए साल की बधाई भेजने वाले पीएलए सैनिकों का एक कथित वीडियो साझा किया गया था। तस्वीरों को केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने भी ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा, नव वर्ष 2022 के अवसर पर गलवान घाटी में भारतीय सेना के बहादुर जवान। वहीं, कांग्रेस ने गलवान घाटी में अपना झंडा फहराए जाने का वीडियो डाले जाने के मामले में केंद्र सरकार पर हमला बोला था।

नीट-पीजी दाखिला: अदालत याचिका पर सुनवाई आज करेगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) दाखिले के संबंध में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण संबंधी याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमत हो गया है। केंद्र ने न्यायालय से इस मामले की तत्काल सुनवाई किए जाने का आग्रह किया था। प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण और न्यायमूर्ति सूर्य कांत एवं न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इन अभिवेदनों पर गौर किया कि यह मामला स्नातकोत्तर चिकित्सकीय पाठ्यक्रमों में दाखिले से जुड़ा है और छात्रों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मेहता ने मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए कहा, यह समाज के ईडब्ल्यूएस से संबंधित है। हमारे द्वारा दिया गया एक बयान है, जो रेजिडेंट डॉक्टरों की आगे की काउंसलिंग को रोकता है। रेजिडेंट डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उनकी चिंता वाजिब है। सीजेआई ने कहा, दिक्कत यह है कि यह तीन-न्यायाधीशों की पीठ का मामला है, इस पूरे सप्ताह कोई नियमित सुनवाई नहीं होगी। मुझे देखने दीजिए कि क्या कल कोई न्यायाधीश उपलब्ध हैं, हम एक पीठ का गठन करेंगे। मुझे देखने दीजिए। यदि संभव हो तो, मैं तीन-न्यायाधीशों की पीठ का गठन करूंगा या यह मामला कल एक खंडपीठ के समक्ष जाएगा। शीतकालीन अवकाश के बाद पहले सप्ताह नियमित सुनवाई नहीं होती और इसलिए, उनके नेतृत्व वाली पीठ को छोड़कर कोई तीन न्यायाधीशों की पीठ उपलब्ध नहीं है।

जेल में रेड्डी तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष से मिले

हैदराबाद। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना ईकाई के अध्यक्ष और सांसद बी. संजय कुमार से करीमनगर में एक जेल में मुलाकात की। कुमार को प्रदर्शन करने की नाकाम कोशिश को लेकर गिरफ्तारी के बाद जेल में रखा गया है। किशन रेड्डी ने कुमार और अन्य भाजपा नेताओं से करीमनगर जिला कारागार में मुलाकात की। कुमार और अन्य नेताओं पर गैरकानूनी तरीके से आरोप लगाए गए हैं।

बुली बाई ऐप मामला: उत्तराखंड से युवती हिरासत में

गिरफ्तार छात्र 10 जनवरी तक हिरासत में

एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई साइबर पुलिस ने बुली बाई ऐप मामले के संबंध में उत्तराखंड से 19 वर्षीय युवती को हिरासत में लिया और बेंगलुरु से इंजीनियरिंग के एक छात्र को गिरफ्तार किया है। माना जा रहा है कि हिरासत में ली गई युवती, इस मामले में मुख्य आरोपी है। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने बुली बाई ऐप मामले में गिरफ्तार 21 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र विशाल कुमार झा को मंगलवार को 10 जनवरी तक के लिए मुंबई पुलिस

की हिरासत में भेज दिया। एक अधिकारी ने बताया कि इससे पहले दिन में, मुंबई पुलिस की एक टीम ने उत्तराखंड से एक युवती को भी हिरासत में लिया। युवती और आरोपी छात्र कथित तौर पर एक-दूसरे को जानते हैं। मुंबई साइबर पुलिस ने छात्र विशाल कुमार झा को सोमवार को बेंगलुरु से पकड़ा था और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने झा को 10 दिनों की हिरासत में देने और बेंगलुरु में उसके परिसरों की तलाशी लेने की अदालत से अनुमति मांगी। पुलिस की दलील सुनने के बाद मजिस्ट्रेट ने आरोपी छात्र को 10 जनवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया और पुलिस को उसके परिसरों की तलाशी लेने की भी अनुमति दे दी।

जरा हट के... बग्गा

ईडी ने बिहार के नक्सली की 27.87 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने बिहार के एक नक्सली की 27.87 लाख रुपए की संपत्ति उसके खिलाफ धनशोधन संबंधी जांच के तहत जब्त की है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि माओवादी दिलीप सहनी उर्फ नितेश के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ कार्वाई की गई है। ईडी ने धनशोधन रोकथाम कानून के तहत तीन भूखंड, एलआईसी पॉलिसी, एक मोटरसाइकिल, बैंक में जमा राशि कुर्क करने के लिए एक अस्थाई आदेश जारी किया है। इन सभी संपत्ति का मूल्य 27.87 लाख रुपए है। ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत तीन लैंड पार्सल, एलआईसी पॉलिसी, एक मोटरसाइकिल, फिक्स्ड और कुल 27.87 लाख रुपए की बैंक जमा राशि कुर्क करने के लिए एक अस्थाई आदेश जारी किया। एजेंसी ने कहा कि आरोपी ने अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर विभिन्न अचल संपत्ति खरीदने के लिए अपराध से हुई आय का निवेश किया।

जम्मू कश्मीर: पैंथर्स पार्टी का आरोप

नए निर्वाचन क्षेत्रों का सीमांकन भाजपा कार्यालय में किया गया

एजेंसी ■ जम्मू

नेशनल पैंथर्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष हर्षदेव सिंह ने मंगलवार को कहा कि जम्मू कश्मीर परिसीमन आयोग द्वारा प्रस्तावित विधानसभा की नई सीटों पर निर्णय भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में लिया गया और आयोग ने महज एक रबर स्टाम्प की तरह काम किया। उधमपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आयोग ने विपक्षी दलों और नागरिक सामाजिक समूहों के सुझावों

को खारिज कर दिया तथा अधिनायकवादी सत्ता के सामने समर्पण कर दिया। सिंह ने कहा, जम्मू कश्मीर में सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया जनता की सुविधा की अनदेखी करते हुए भाजपा के राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा, नए निर्वाचन क्षेत्रों का सीमांकन भाजपा कार्यालय में किया गया और परिसीमन आयोग ने महज एक रबर स्टाम्प की भूमिका निभाते हुए भाजपा के राजनीतिक लाभ के लिए सहायता की। सिंह ने यह भी दावा किया कि विपक्षी दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज समूहों के सुझावों को पूरी तरह खारिज कर दिया गया और आयोग ने वर्तमान अधिनायकवादी सत्ता के सामने अन्य कथित स्वायत्त संस्थाओं की भांति समर्पण कर दिया।

कर्नाटक | विद्यार्थियों ने हिजाब पहनकर आ रही मुस्लिम लड़कियों का विरोध किया

हिजाब के खिलाफ विद्यार्थी भगवा स्कार्फ में आए

एजेंसी ■ चिकमंगलूर

कर्नाटक के कोपा स्थित सरकारी महाविद्यालय के प्रबंधन के सामने उस समय विचित्र स्थिति उत्पन्न हो गई, जब यहां के विद्यार्थियों का एक धड़ा कथित रूप से हिजाब पहनकर आ रहीं मुस्लिम लड़कियों का विरोध करने के लिए भगवा रंग का स्कार्फ पहन कक्षा में आया।

बालागाडी स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज ने कथित तौर पर शुरुआत में विद्यार्थियों को भगवा स्कार्फ पहनकर कक्षा में आने की अनुमति दे दी थी और लड़कियों को हिजाब नहीं पहनकर आने को कहा था, लेकिन अब उसने 10 जनवरी तक सभी को अपनी इच्छा से कुछ भी पहनकर आने की अनुमति दे दी है। महाविद्यालय के प्राचार्य अनंत मूर्ति ने

पीटीआई-भाषा से कहा, हम 10 जनवरी को अभिभावक-शिक्षक बैठक कर रहे हैं, जिसमें जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस मुद्दे पर जो फैसला होगा, वह सभी के लिए बाध्यकारी होगा। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले इसी तरह की बैठक में फैसला किया गया था और सभी अबतक उसका अनुपालन कर रहे थे।

मूर्ति ने कहा, सबकुछ ठीक चल रहा था लेकिन कल (गत सोमवार) कुछ विद्यार्थी कक्षा में अचानक भगवा स्कार्फ पहन कर आए। उन्होंने कुछ छात्राओं के परिधान पर आपत्ति जताई।

बीकॉम पाठ्यक्रम में द्वितीय वर्ष के छात्र विनय कोप्पा ने आरोप लगाया कि मुस्लिम लड़कियां कॉलेज में हिजाब पहनकर आ रही हैं। छात्र ने कहा,, तीन साल पहले भी इसी तरह का विवाद महाविद्यालय में पैदा हुआ था और यह फैसला किया गया था कि कोई भी हिजाब पहनकर नहीं आएगा। लेकिन पिछले कुछ दिनों से कुछ महिलाएं हिजाब पहनकर महाविद्यालय आ रही हैं। इसलिए हमने कल भगवा स्कार्फ पहनकर महाविद्यालय आने का फैसला किया। छात्र ने दावा किया कि उनके अनुरोध पर महाविद्यालय प्रशासन ने कई बार मुस्लिम छात्राओं से अनुरोध किया कि वे हिजाब पहनकर नहीं आएं, लेकिन वे नहीं मानीं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया तो आनेवाले दिनों में उनका विरोध और तेज होगा।

इजरायल में लगेगी कोरोना वैक्सीन की चौथी डोज, इन्हें दी जाएगी खुराक

यरुशलम। इजरायल अपने देश के नागरिकों को कोरोना वैक्सीन की चौथी खुराक देने जा रहा है। प्रधानमंत्री नाफ्ताली बेनेट ने रविवार को इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इजरायल में 60 साल से अधिक उम्र के लोगों और मेडिकल स्टाफ को कोविड वैक्सीन की चौथी डोज दी जाएगी। बता दें कि इजरायल ने बीते हफ्ते फाइजर और बायोएनटेक की वैक्सीन की चौथी खुराक को मंजूरी दी थी। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों और बुजुर्गों के लिए ये दूसरा बूस्टर डोज है। एक न्यूज कांफ्रेंस में पीएम बेनेट ने कहा, 'हमारे पास रक्षा की नई परत है।' उन्होंने कहा कि इजरायल के शीर्ष चिकित्सा अधिकारी ने बूस्टर कैंपेन को बढ़ावा देने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। इजरायल एक बार फिर वैश्विक टीकाकरण प्रयास में अग्रणी होगा। इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक नचमन ऐश ने कहा था कि इजराइल हर्ड इम्युनिटी तक पहुंच सकता है क्योंकि ओमिक्रोन का संक्रमण बढ़ गया है। बता दें कि ओमिक्रोन वैरिएंट कोरोना की लहर का कारण बन गया है। कई देशों में इसके रिकार्ड मामले सामने आ रहे हैं। 24 दिसंबर से 26 दिसंबर तक औसतन इसके रोजाना 10 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं। हालांकि, मौतें उस हद तक नहीं बढ़ी हैं, क्योंकि बताया जा रहा है ये वैरिएंट कम घातक है।

अगले तीन हफ्तों में बढ़ सकते हैं मामले

मामना जा रहा है कि इजरायल में अगले तीन हफ्तों में रोजाना रिकार्ड मामले सामने आ सकते हैं। बेनेट ने आशंका जताई थी कि रोजाना 50 हजार लोग संक्रमित हो सकते हैं।

सूडान में जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री अब्दुल्ला हमदोक ने दिया इस्तीफा

काहिरा। सूडान में जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री अब्दुल्ला हमदोक ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कल एक भाषण के दौरान अपने इस्तीफे की घोषणा की। बता दें कि सूडान की सेना ने पिछले साल सत्ता पर कब्जा कर लिया था और हमदोक को नजरबंद कर दिया गया था, लेकिन इस तख्तापलट के बाद पीएम और सेना के बीच सत्ता की साझेदारी को लेकर एक समझौता हुआ, जिसके बाद उन्हें बहाल कर दिया गया।इस समझौते और सेना के दखल को लेकर आम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी, सेना और राजनेता के बीच हुए इस समझौते को खारिज करते हुए देश में पूरी तरह नागरिक शासन लागू करने की मांग कर रहे हैं। यहां सूडानी सुरक्षा बलों ने लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों को हिंसक रूप से तितर-बितर कर दिया, जिसमें कम से कम दो लोग मारे गए। हजारों लोग खार्तूम और देश भर के अन्य शहरों में अक्टूबर के अधिग्रहण के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे।

सूडान डाक्टर्स कमिटी, जो लोकतंत्र आंदोलन का हिस्सा है, ने बताया कि जिस प्रदर्शनकारी की मृत्यु हुई है उसके सिर पर वार किया गया था। दूसरे प्रदर्शनकारी की मृत्यु ओडुरमैन शहर में हुई थी। उसके सीने पर गोली मारी गई थी। इस दौरान एक दर्जन प्रदर्शनकारी जख्मी हुए हैं। एक कार्यकर्ता ने बताया कि सेना ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और ग्रेनेड का इस्तेमाल किया था। अब्दुल्ला हमदोक ने कहा कि मैंने देश को बर्बादी की ओर जाने से रोकने की पूरी कोशिश की। सहमति तक पहुंचने के लिए जो कुछ भी कर सकता था मैंने किया, लेकिन इसके बावजूद ऐसा नहीं हो सका।

अमेरिका में कोरोना का कहर, 24 घंटे में रद हुई 2000 फ्लाइट

वाशिंगटन। कोरोना संक्रमण दुनियाभर में कोहरम मचा रहा है। कोरोना का असर विमानों की आवाजाही पर भी पड़ रहा है। कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते अमेरिका में बीते 24 घंटे में लगभग 2 हजार फ्लाइट रद की गई हैं। फ्लाइटअवेयर का हवाला देते हुए द हिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि रविवार सुबह अमेरिका में या बाहर कुल 1,956 उड़ानें रद कर दी गईं जबकि 870 उड़ानों में देरी हुई। द हिल के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम में 264 फ्लाइट रद हुईं, जेटब्लू ने 169 रद उड़ानों की सूचना दी और डेल्टा ने 161 फ्लाइट रद की। वहीं, अमेरिकन्स एयरलाइंस ने 136 फ्लाइट रद की जबकि यूनाइटेड ने 94 यात्राएं रद की। बता दें कि अमेरिका में कोरोना के चलते बड़ी संख्या में उड़ानें रद हो रही हैं।फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 दिनों के दौरान रविवार और क्रिसमस की पूर्व संध्या सहित एयरलाइंस ने अमेरिका में 14,000 से अधिक उड़ानें रद कर दी हैं।

'दिवालिया' हो चुका पाकिस्तान, इमरान सरकार ने किया देश का बेड़ागर्क !

पेशावर: आर्थिक मंदी के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है। पाकिस्तान की खस्ता हालत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इमरान सरकार को कर्ज चुकाने के लिए भी बार-बार ऋण लेना पड़ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था गर्त में जा चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार?चीन और खाड़ी देशों के कर्ज में फंसे पाकिस्तान की हकीकत अब सामने आने लगी है। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार की दुनिया भर में किरकिरी हो रही है। दरअसल, इमरान सरकार देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। आर्थिक मंदी के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान की करंसी यानि पाकिस्तानी रुपया दुनिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गया है।

इस साल की शुरुआत से इसमें 12 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। मई मध्य में इसके मूल्य में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी जब एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 152.50 रुपए हो गई थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के कार्यकाल के दौरान हालात इतने खराब हो चुके हैं कि पाकिस्तान के पास चीन के कर्ज को चुकाने के लिए भी पैसे नहीं हैं। पाकिस्तान ने चीन के अलावा, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई),

सऊदी अरब, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से भी भारी मात्रा में कर्ज लिया हुआ है। पाकिस्तान पर घरेलू और विदेशी कर्ज 50 हजार अरब रुपए से भी ज्यादा हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गत दिवस हुई एक बैठक में पाकिस्तान की सबसे बड़ी धार्मिक पार्टी और सुन्नी कट्टरपंथी दल जमिअत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने प्रधानमंत्री इमरान खान को मिनी बजट के मुद्दे पर जमकर कोसा है । विपक्षी दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक एलायंस के अध्यक्ष मौलाना फजलुर रहमान ने इमरान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए व मिनी बजट पेश करने और स्टे बैंक ऑफ पाकिस्तान को एक स्वायत्त निकाय बनाने के लिए कड़ी आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि SBP को IMF को सौंपने से ओटोमन साम्राज्य की तरह पाकिस्तान का पतन हो सकता है।

इससे एक सप्ताह पहले पाकिस्तान के संघीय राजस्व बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शब्बर जैदी ने कहा कि उनका देश 'दिवालिया' हो चुका है और 'भ्रम में रहने' से बेहतर है कि वास्तविकता को पहचाना जाए। जैदी 10 मई 2019 से छह जनवरी 2020 तक शीर्ष कर प्राधिकरण के अध्यक्ष थे।

उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ड्रीम प्रॉजेक्ट चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर पर भी गंभीर सवाल उठाए। जैदी ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे परियोजना में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा था कि वह खुद अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि CPEC क्या है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन कोरोना वायरस से संक्रमित

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और उनमें संक्रमण के मामूली लक्षण हैं। ऑस्टिन ने रविवार रात एक बयान में अपने संक्रमित होने की जानकारी दी और बताया कि वह पृथक-वास में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी सप्ताह में ''जितना संभव हो सकेगा', वह उतनी बैठकों में 'डिजिटल' माध्यम से भाग लेंगे।

उन्होंने कहा, ''मैंने राष्ट्रपति (जो बाइडेन) और मेरी टीम को मेरे संक्रमित पाए जाने की जानकारी दे दी है।' ऑस्टिन ने कहा, ''मेरे स्टाफ के कर्मियों ने मेरे संपर्क में आए लोगों का पता लगाना शुरू कर दिया है और उन सभी लोगों की जांच की जा रही है, जो पिछले सप्ताह मेरे संपर्क में आए थे।' ऑस्टिन (68) ने बताया कि उनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और उन्होंने अक्टूबर में 'बूस्टर' खुराक भी ली थी। उन्होंने कहा, ''टीके लाभकारी हैं....मैं सभी को 'बूस्टर' खुराक लेने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।'

मंगल, शुक्र पर भी धरती जैसा जीवन संभव, नासा के शीर्ष वैज्ञानिक जिम ग्रीन विदाई के वक्त बोले

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के शीर्ष वैज्ञानिक रहे जिम ग्रीन ने बड़ा दावा किया है। नए साल के पहले दिन 31 साल तक नासा में काम करने के बाद विदाई के वक्त उन्होंने कहा कि मंगल और शुक्र ग्रह को भी धरती की तरह रूपांतरित किया जा सकता है। 1980 में नासा ज्वाइन करने वाले ग्रीन ने धरती के चुंबकीय क्षेत्र को समझने, बाहरी सौर मंडल का पता लगाने और मंगल पर जीवन की खोज में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी की बड़ी मदद की है। जिम ग्रीन ने बीते चार दशकों में 12 साल नासा के ग्रह विज्ञान विभाग के निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे पिछले तीन साल से नासा के मुख्य वैज्ञानिक थे।

उन्होंने नासा की अनेक वैज्ञानिक खोजों को मूर्त रूप दिया है। ग्रीन ने अपने करियर की शुरुआत पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा तरंगों पर शोध के साथ की थी।

'एलियन' के जीवन का पता लगाने के लिए 'कोल्ड स्केल' बनाई

जिम ग्रीन की हाल की सबसे अहम खोजों में 'एलियन' के जीवन का पता लगाने के लिए 'कोल्ड स्केल' का विकास है। इसके साथ ही उन्होंने यह दावा किया है कि हम मंगल ग्रह को टेराफॉर्म कर सकते हैं, यानी इसे मनुष्यों के

लिए रहने योग्य बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम एक विशाल चुंबकीय कवच का उपयोग करके लाल ग्रह के वायुमंडल को अलग करने से रोकने के लिए उसकी सतह का तापमान बढ़ा सकते हैं।

एक अमेरिकी अखबार को दिए साक्षात्कार में जिम ग्रीन ने नासा व अपनी तमाम खोजों व शोधों को लेकर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने बताया कि अन्य ग्रहों पर जीवन का पता लगाने के लिए 'कोल्ड स्केल' ईजाद की गई है। इसकी जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि कुछ सालों पहले कुछ वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि उन्होंने शुक्र ग्रह के वातावरण में फॉस्फीन देखा है। इसकी प्रचुरता को देखते हुए उन्होंने दावा किया था कि इससे उन्हें यह भरोसा होने लगा कि वहां जीवन की बड़ी संभावना है।

राष्ट्रपति जो बाइडन का यूक्रेन को भरोसा: कहा- अगर रूस आप पर हमला करता है तो अमेरिका करारा जवाब देगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने यूक्रेनी समकक्ष वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को आश्वस्त किया कि अगर रूस यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए आगे बढ़ता है तो अमेरिका निर्णायक और करारा जवाब देगा। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि यूक्रेन की सीमाओं पर रूसी सैन्य बिल्डअप के साथ बाइडन ने एक फोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की को स्पष्ट किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगी निर्णायक रूप से जवाब देंगे यदि रूस यूक्रेन पर और आक्रमण करता है। राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन के राजनयिक प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया, जो कि अगले सप्ताह द्विपक्षीय रणनीतिक स्थिरता वार्ता के साथ शुरू होगा। जेलेंस्की के साथ अपने कॉल में बाइडन ने

यूक्रेन को उसके भविष्य के बारे में चर्चा करते हुए 'आपके बिना आपके बारे में कुछ भी नहीं' के सिद्धांत के लिए वाशिंगटन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

यूक्रेन सीमा पर रूसी सैन्य निर्माण और चल रहे तनाव के बीच 10 जनवरी को जिनेवा में रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के व्यक्तिगत रूप से मिलने के कुछ दिन पहले यह बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जेलेंस्की ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ भी इस मुद्दे पर बात की थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जो बाइडन का शुक्रिया अदा किया

जेलेंस्की ने बाद में ट्वीट कर संयुक्त राज्य अमेरिका के अटूट समर्थन की सराहना की और कहा कि यह कॉल दोनों देशों के संबंधों की विशेष प्रकृति को साबित करता है। बता दें कि उच्च पदस्थ अमेरिकी और रूसी अधिकारी संकट पर चर्चा के लिए 9 और 10 जनवरी को जिनेवा में बैठने वाले हैं। यूक्रेन में तनाव बढ़ने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में बाइडन ने पुतिन से बात की थी, दोनों नेताओं ने तीन सप्ताह में फोन पर दूसरी बातचीत की थी।

बीते शुक्रवार को जहां बाइडन ने पुतिन से कहा कि आगामी बातचीत तभी कारगर हो सकती है जब रूसी नेता तनाव घटाने के लिए कदम आगे बढ़ाएं जबकि रूसी राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि यदि रूस पर हमला किया गया तो नतीजे गंभीर होंगे। अब 9 व 10 जनवरी को यूक्रेन सीमा पर रूस के एक लाख सैनिकों की तैनाती पर चर्चा की जाएगी लेकिन आपसी मतभेद के चलते इसमें कोई हल निकल पाए, यह मुश्किल दिख रहा है।

रिपोर्ट: दुनियाभर में 488 पत्रकारों का उत्पीड़न, चीन में सर्वाधिक

पेरिस। बीते साल 2021 में पत्रकारों के उत्पीड़न का नया रिकॉर्ड बना और उन्हें हिरासत में लेने के 488 मामले दर्ज किए गए। इनमें भी सबसे ज्यादा 127 मामले चीन में दर्ज हुए। वह लगातार पांचवें साल सूची में सबसे ऊपर रहा। पेरिस आधारित अंतरराष्ट्रीय संगठन 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' (आरएसएफ) ने वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि वह 1995 से पत्रकारों के उत्पीड़न का रिकॉर्ड रखता है। पिछले साल सबसे ज्यादा पत्रकार उत्पीड़न का शिकार बने। हांगकांग समेत चीन में 127 पत्रकारों को हिरासत में लिया गया। म्यांमार में 53, वियतनाम में 43 और बेलारूस में 32 पत्रकारों को हिरासत में लिया गया। आरएसएफ ने कहा कि यह दुनिया में सत्ता पर काबिज शक्तियों में बढ़ती तानाशाही का प्रमाण है। मार्च में म्यांमार में सेना के खिलाफ चल रहा प्रदर्शन कवर करने गए स्वतंत्र पत्रकार की हिरासत में मौत हो गई थी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, संभवतःउसकी मृत्यु पूछताछ के दौरान पिटाई करने से हुई।

बदले की कार्रवाई: रॉकेट हमले के बाद इस्त्राइल की हमास के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक, लड़ाकू विमानों से बरसाए बम

गाजा । इस्त्रायली सेना ने सुबह गाजा पट्टी में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर लड़ाकू विमानों से बम बरसाए। इससे एक दिन पहले हमास के नियंत्रण वाले गाजा से इस्त्राइल पर रॉकेट दागे गए थे। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में तीन बड़े धमाकों की आवाज को रिकॉर्ड किया गया है। हालांकि, अभी तक इस हमले में किसी के भी हताहत होने की जानकारी नहीं है। इस साल मई में भी हमास और इस्त्राइल के बीच जंग हुई थी। इस्त्रायली सेना ने कहा कि ये हवाई हमले गाजा की ओर से शनिवार को दो रॉकेट दागे जाने के बाद जवाबी कार्रवाई के तौर पर किए गए। हमले रॉकेट उत्पादन करने वाली इकाई और हमास की सेना चौकी को निशाना बनाया गया। हालांकि ये रॉकेट मध्य इजराइल में भूमध्य सागर में जा कर गिरे थे। लेकिन ये स्पष्ट नहीं है कि इन

रॉकेट हमलों को इस्त्राइल को निशाना बनाकर किया गया था या नहीं। लेकिन गाजा स्थित उग्रवादी संगठन अकसर ही समुद्र की ओर मिसाइलों का परीक्षण करता रहा है। गौरतलब है कि सितंबर में एक घटना को छोड़कर मई में इस्त्राइल और हमास के बीच 11 दिन चले युद्ध को समाप्त करने के लिए लागू संघर्ष विराम के बाद से दोनों ओर से कोई सीमा पार रॉकेट हमला नहीं हुआ था।

इस्त्राइल-हमास के बीच तनाव की वजह-चरमपंथी 'हमास ग्रुप' का कहना है कि इस्त्राइल ने गाजा पर लगाई गई नाकेबंदी को कम करने के लिए गंभीर कदम नहीं उठाए। इसे लेकर ही अकसर तनाव बना रहता है। गाजा पट्टी पर हमास ने 2007 में कब्जा कर लिया था।

गाजा में फलस्तीनी उग्रवादियों ने पिछले महीने 25 दिसंबर को सुरक्षा बाड़ के पास एक इस्त्रायली नागरिक को गोली मार दी थी। इसके बाद इस्त्राइल ने टैंकों के जरिये हमास के कई ठिकानों को निशाना बनाते हुए इसका जवाब दिया।

बांग्लादेश में फिर निशाने पर हिंदू ; 3 मंदिरों के बाहर लटकाया गया बीफ, भड़का विवाद

ढाका। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा दौरान भड़की देशव्यापी हिंसा के बाद यहां हिंदू एक बार फिर से निशाने पर हैं। इस बार बांग्लादेश में मंदिरों के साथ बेअदबी का मामला सामने आने पर विवाद भड़क गया है।। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय द्वारा लालमोनीरहाट जिले के तीन मंदिरों में बेअदबी की घटनाओं में लिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर किए प्रदर्शन के बाद पुलिस ने शिकायतें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इस जिले की सीमा भारत से लगती है।'डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक लालमोनीरहाट जिले के हाटीबंध उपजिले में तड़के पॉलीथीन में पैक कच्चा 'बीफ' गेंदुकुरी गांव के तीन हिंदू मंदिरों और एक घर के दरवाजे पर लटका दिया गया जिसके बाद हिंदू समुदाय के लोग भड़क गए और

प्रदर्शन शुरू कर दिए। घटना के सिलसिले में हाटीबंध थाने में शुक्रवार रात चार शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। एक स्थानीय पत्रकार ने बताया कि इलाके के मुस्लिम निवासियों ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि यह उन तत्वों ने किया है जो अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच की सद्भावना को बाधित करना चाहते हैं।घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्थानीय हिंदू समुदाय के सदस्यों ने गांव के श्री श्री राधा गोविंद मंदिर में विरोध प्रदर्शन किया।

कोरोना के बीच अब दुनिया में तबाही मचाने आया 'फ्लोरोना' ! इजराइल में मिला पहला मामला

गाजा । कोरोना महामारी के संकट से जूझ रही पूरी दुनिया को अब नई मुसीबत फ्लोरोना का सामना करना पड़ सकता है। अरब न्यूज के अनुसार इजराइल ने 'फ्लोरोना' बीमारी का पहला मामला दर्ज किया है। यह बीमारी कोविड??-19 और इन्फ्लूएंजा का दोहरा संक्रमण है। अरब न्यूज ने ट्वीट किया, 'इजराइल में फ्लोरोना रोग का पहला मामला दर्ज किया गया, यह कोविड19 और इन्फ्लूएंजा का दोहरा संक्रमण है।' इस बीच, इजराइल के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रदाताओं ने कमजोर इम्युनिटी वाले व्यक्तियों को कोविड??-19 के खिलाफ चौथा टीका देना शुरू कर दिया है।

इस बामारी का खुलासा इजराइली अखबार 'Yediot Ahronot' ने किया है। अखबार के मुताबिक इस सप्ताह रैबिन मेडिकल सेंटर में बच्चे को जन्म देने आई एक गर्भवती महिला में दोहरे संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया

गया है। बता दें कि अभी तक इस बीमारी को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तरफ से कोई बयान नहीं आया है इसलिए अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि क्या यह दो वायरस का संयोजन अधिक गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है? वैसे इजराइल में ये अभी तक का इकलौता मामला है लेकिन माना जा रहा है अन्य रोगियों में भी 'फ्लोरोना' मौजूद हो सकता है जो जांच न होने के चलते सामने नहीं आया। इस बीच टाइम ऑफ इजराइल ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक नचमन ऐश ने आज ओमिक्रॉन वैरिएंट की लहर के कारण कम इम्युनिटी वाले लोगों के लिए बूस्टर डोज की इजाजत दे दी।

बता दें कि इजरायल दुनिया का पहला और फिलहाल अकेला देश है जहां कोरोना से बचाव के लिए दो बूस्टर डोज लगाई जा रही हैं। शुक्रवार की सुबह ऐश ने वृद्ध रोगियों के लिए जेरियाट्रिक सुविधाओं के टीके को भी मंजूरी दी।

बता दें कि इस समय जहां भारत में कोरोना की दो भयानक लहर गुजर चुकी हैं और तीसरी का खतरा मंडरा रहा है वहीं दुनिया के कई देशों में कोरोना की चौथी लहर जारी है। ऐसे में जहां एक तरफ दुनिया कोरोना संकट को झेल नहीं पा रही है तो वहीं अब एक और फ्लोरोना बीमारी ने दस्तक देकर लोगों की टेंशन बढ़ा दी है।

एक नजर

विधानसभा ने रद्द किया भाजपा के विधायक का निलंबन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने सोमवार को भाजपा के विधायक जितेंद्र महाजन का निलंबन रद्द कर दिया, जिन्हें पिछले महीने सदन से निलंबित कर दिया गया था। विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर बिधूड़ी की ओर से इस संबंध में पेश किया गया प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित होने के बाद महाजन के निलंबन को निरस्त किया गया। बिधूड़ी ने विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल से निलंबन समाप्त करने का अनुरोध किया था। बता दें कि दिल्ली विधानसभा ने सदन की कार्यवाही में कथित रूप से बाधा डालने के आरोप में महाजन को पिछले साल दिसंबर में अपने एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान निलंबित कर दिया था।

दिल्ली विस में हेलीकॉप्टर हादसे, वैष्णो देवी भगदड़ पर जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत और अन्य के एक हेलीकॉप्टर हादसे में निधन पर सोमवार को शोक जताया। इसके अलावा सदन ने जम्मू कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी मंदिर परिसर में मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति भी शोक जताया है और घटना में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। विधानसभा का दो दिवसीय सत्र सोमवार से शुरू हुआ है। सदन के सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं के लिए दो मिनट का मौन रखा। वैष्णो देवी मंदिर में नव वर्ष की भीड़ के दौरान दो समूहों में कथित झगड़े के बाद शनिवार तड़के मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई थी और 16 अन्य जख्मी हुए थे। वहीं, जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और 11 अन्य सैन्य कर्मियों की आठ दिसंबर 2021 को तमिलनाडु के कन्नूर में एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी।

पूर्वी निगम ने मेसर्स पार्श्वनाथ डेवलपर्स जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा संपत्तिकर ना जमा कराने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अक्षरधाम स्थित पार्श्वनाथ मॉल के मालिक मेसर्स पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड को संपत्तिकर ना भरने के लिए नोटिस जारी किया। अपर आयुक्त ब्रजेश सिंह ने बताया कि मेसर्स पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड द्वारा पिछले तीन सालों से संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि मेसर्स पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड उपरोक्त परिसर के संपत्ति कर की देयता के संबंध में अपेक्षित जानकारी दाखिल करने में विफल रहा। अपर आयुक्त ब्रजेश सिंह ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा संपत्ति कर ना जमा कराने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

जीनोम की नई रिपोर्ट में 84 प्रतिशत नमूनों में ओमीक्रोन की पुष्टि : जैन

■ नई दिल्ली

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बीच सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि राजधानी में हाल ही में जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजे गए नमूनों में से 84 प्रतिशत में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि शहर में हालांकि दैनिक मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है क्योंकि ज्यादा लोगों में गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे या उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं पड़ रही है। जैन ने दिल्ली विधानसभा में कहा कि तीन प्रयोगशालाओं से मिली 30-31 दिसंबर की जीनोम अनुक्रमण रिपोर्ट के अनुसार 84 प्रतिशत नमूनों में ओमीक्रोन की पुष्टि हुई है। अधिकतर मामले ओमीक्रोन के ही थे। यह तीन प्रयोगशालाएं यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र हैं।

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहकारिता समितियों ने निभाई बड़ी भूमिका: गौतम

■ नई दिल्ली

दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने सोमवार को सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार की ओर से आयोजित प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इस प्रशिक्षण सत्र के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कई देश हैं जहां सहकारी समितियों ने अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में एक बड़ी भूमिका निभाई है। सहकारी समितियों ने बांग्लादेश जैसे कई देशों की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया है। सहकारी आंदोलन आर्थिक

मंत्री ने किया प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन

रूप से कमजोर सदस्यों को सशक्त बनाता है। सहकारी समितियों ने आपसी समझ, स्व-सहायता और स्व-शासन की भावना को बढ़ावा दिया है। मंत्री ने सहकारी समितियों में चल रहे कुरीतियों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर सहकारी समिति में कदाचार के लिए अधिकारियों और राजनेताओं को दोषी ठहराया जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। कई बार मैनेजमेंट अपने स्वार्थों के कारण भ्रष्टचार को जन्म देता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इन प्रथाओं को समाप्त करने में प्रभावी ढंग से आपकी मदद करेगा। राजेंद्र पाल गौतम ने अधिकारियों को नागरिकों की मदद करने और सहकारी आंदोलन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ऑफिसर्स को प्रेरित किया जो अंततः हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा।

देश में क्वालिटी टीचर ट्रेनिंग का उदाहरण बनकर उभरेगा दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय: सिसोदिया

दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय विधेयक 2022 विधानसभा में पेश

■ नई दिल्ली

देश में आज तक टीचर ट्रेनिंग के लिए कोई भी ऐसा इंस्टीट्यूट तैयार नहीं किया गया है जो टीचर-एजुकेशन के लिए मानक स्थापित किया जा सके। दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय इस कमी को पूरा करेगा और पूरे देश में क्वालिटी टीचर ट्रेनिंग का उदाहरण बनकर उभरेगा। यह बात दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में कहीं। सोमवार को उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली विधानसभा में सदन के समक्ष दिल्ली शिक्षक विधेयक 2022 पेश किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वस्तरीय शिक्षक तैयार करने के लिए दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय देश में अपनी तरह का पहला संस्थान होगा। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी का मूल उद्देश्य टीचर ट्रेनिंग में ऐसे मानक स्थापित करना है कि जब देश में कही भी टीचर एजुकेशन इंस्टीट्यूट की बात की जाए तो लोग दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी का उदहारण दे। उपमुख्यमंत्री ने अपने अभिभाषण में कहा कि विश्वस्तरीय शिक्षक तैयार करने के लिए दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय देश में अपनी तरह का पहला संस्थान होगा जहां शिक्षकों की विश्वस्तरीय ट्रेनिंग होगी। देश में इंजीनियरिंग के लिए आईआईटी, प्रबंधन के लिए आईआईएम और पत्रकारिता के लिए आईआईएमसी जैसे संस्थान बने लेकिन टीचर्स ट्रेनिंग के लिए कोई इस तरह का संस्थान नहीं बना। अब एक ऐसा संस्थान दिल्ली में बनने जा रहा है जो देश भर के लिए ऐसे शिक्षक बनाएगा जो देश में शिक्षा को एक अलग मुकाम देंगे। उन्होंने कहा कि बिल को सदन में पेश करने का मूल उद्देश्य टीचर-एजुकेशन के ऐसे मानक तैयार करना है कि जब देश में कही भी टीचर एजुकेशन इंस्टीट्यूट की बात की जाए तो लोग दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी का उदहारण दे। उन्होंने कहा दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी केवल एक बीएड करवाने वाली संस्था नहीं होगी बल्कि इसके पीछे एक विजन है।

हजारों नए क्लासरूम का निर्माण, 15 हजार टीचर्स की पोस्ट की क्रिएट

सिसोदिया ने कहा कि देश के 3 लाख स्कूलों में टीचर्स की कमी है और पूरे देश में लगभग 11 लाख शिक्षकों की कमी है। दिल्ली के सन्दर्भ में दिल्ली सरकार ने पिछले कुछ सालों में हजारों नए क्लासरूम का निर्माण किया है और लगभग 15 हजार टीचर्स की पोस्ट क्रिएट की है। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी के माध्यम से दिल्ली सरकार का उद्देश्य टीचर्स की कमी को भी पूरा करना है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की जेएस वर्मा कमिटी ने 2012 में कहा था कि देश में 10,000 से ज्यादा टीचर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट ऐसे है जो केवल स्टूडेंट्स को टीचिंग की डिग्री देने का काम करते हैं। लेकिन इसके विपरीत दिल्ली टीचर यूनिवर्सिटी केवल डिग्री देने का काम नहीं करेगा बल्कि क्वालिटी का ध्यान रखते हुए प्रोफेशनल टीचर्स तैयार करेगा।

डीएसजीएमसी में मनोनीत सदस्य के तौर पर प्रधान पुजारियों की संख्या अब पांच होगी

■ नई दिल्ली

विधानसभा में पेश हुआ दिल्ली सिख गुरुद्वारा (संशोधन) विधेयक 2022

दिल्ली विधानसभा में सोमवार को दिल्ली सिख गुरुद्वारा (संशोधन) विधेयक 2022 पेश किया गया। मनोनीत सदस्यों की सूची में एक और सदस्य जोड़ने के लिए यह विधेयक पेश किया गया। इसके जरिए 9 सदस्यों से इसे 10 सदस्यों तक ले जाया गया है। वहीं, इस संशोधन के जरिए डीएसजीएमसी के मनोनीत सदस्यों के रूप में अकाल तख्तों के मौजूदा 4 प्रधान पुजारियों की सूची में एक और प्रधान पुजारी अकाल तख्त, दमदमा साहिब तलवंडी साबो भटिंडा, पंजाब को जोड़ा गया है। इस संशोधन के तहत मनोनीत सदस्यों की संख्या 5 हो जाएगी। जिसमें अकाल तख्त साहिब अमृतसर, अकाल तख्त साहिब आनंदपुर, अकाल तख्त साहिब पटना, अकाल तख्त हुजूर साहिब नांदेड़ और अकाल तख्त दमदमा साहिब के प्रमुख पुजारी तलवंडी साबो, भटिंडा पंजाब होंगे। वहीं धारा 16 की उप-धारा एक और उप-धारा दो के तहत कार्यकारी बोर्ड के पदाधिकारी और अन्य सदस्यों के चुनाव के उद्देश्य से किसी भी प्रधान पुजारी को मतदान का अधिकार नहीं होगा।

प्रस्तावित संशोधन के बाद डीएसजीएमसी में कुल 46 निर्वाचित सदस्य और 10 मनोनीत सदस्य होंगे। जिससे डीएसजीएमसी सदस्यों की कुल संख्या 56 हो जाएगी। दिल्ली विधानसभा द्वारा प्रस्तावित विधेयक पारित किया गया है। भारत के राष्ट्रपति के विचार और सहमति के लिए उपराज्यपाल, दिल्ली द्वारा आरक्षित किए जाने की आवश्यकता होगी।

क्या उपराज्यपाल के कार्यालय के जरिए भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रही है भाजपा: भारती

■ नई दिल्ली

विधानसभा में आप विधायक ने मांगी सतर्कता मामलों की जानकारी

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने सोमवार को भ्रष्टाचार के मामलों में सतर्कता विभाग की ओर से की गई कार्रवाई से जुड़े एक सवाल का जवाब नहीं देने से संबंधित मामले को विधानसभा की विशेषाधिकार समिति को भेज दिया। विधानसभा के दो दिवसीय सत्र के पहले दिन आम आदमी पार्टी (आप) विधायक सोमनाथ भारती ने भ्रष्टाचार और कर्तव्य में लापरवाही जैसे सतर्कता मामलों के विभाग वार ब्यौरे से संबंधित सवाल पूछा था। भारती ने कहा कि दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने उपराज्यपाल कार्यालय के एक पुराने आदेश का हवाला देते हुए सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि क्या भाजपा उपराज्यपाल के कार्यालय के जरिए भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने की कोशिश कर रही है? अन्यथा उपराज्यपाल के आदेश का हवाला देते हुए इन प्रश्नों के उत्तर की अनुमति क्यों नहीं दी जाएगी। आखिरकार दिल्ली विधानसभा ही सतर्कता विभाग और उपराज्यपाल कार्यालय का वित्तपोषण करती है। उन्होंने अपने प्रश्न की एक प्रति भी इसके साथ संलग्न की। उधर, रामनिवास गोयल ने मामले का संज्ञान लेते हुए इसे सदन की विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया। बता दे कि गोयल ने अगस्त में कहा था कि उपराज्यपाल ने 29 मार्च, 2018 को तत्कालीन विधि सचिव को लिखा था और उन्होंने विधानसभा को लिखा था कि किसी भी सुरक्षित विषय पर प्रश्न स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

होली से पहले सभी बच्चों को लग जाएगी वैक्सीन

■ नई दिल्ली

कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सोमवार से बच्चों को लगाई जा रही वैक्सीन को लेकर दिल्ली में काफी उत्साह दिखा। पहले दिन दिल्ली में करीब 18 हजार बच्चों ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज ली। इन सभी बच्चों को को-वैक्सीन उपलब्ध करवाई गई है। वैक्सीनेशन सेंटर में आए बच्चों ने बताया कि काफी समय से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, कई बच्चों ने बताया कि उनके घर में वह अकेले रह गए जिन्हें वैक्सीन नहीं लगी। अब उन्हें भी वैक्सीन लग गई है जिसके बाद पूरा परिवार कोरोना के खिलाफ वैक्सीन लगा चुका है। वहीं कई बच्चे ऐसे भी दिखे जिन्होंने वैक्सीन लगाने के बाद खास फोटो भी करवाई। उनका कहना है कि आज की फोटो सोशल मीडिया पर काफी खास है। वहीं दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शाम पांच बजे तक राजधानी के विभिन्न केंद्रों पर 17893 बच्चों को वैक्सीन लगाई गई। वैक्सीनेशन में नॉर्थ जिला सबसे आगे रहा। सोमवार को दिल्ली में 182216 वैक्सीन लगी। दिल्ली में अभी तक 26624755 वैक्सीन लग चुकी है। इनमें से 15343054 लोगों ने कोरोना की पहली और 11281701 लोगों ने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लगवा ली।

उद्घाटन *दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्रता सेनानी झांसी की रानी लक्ष्मी बाई और जलियांवाला बाग हत्याकांड की दीवार भित्ति चित्रों के उद्घाटन के दौरान दोपहर का भोजन करते दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया।*

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद खराब, पांच से आठ जनवरी के बीच बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में 389 दर्ज किया गया। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पांच से आठ जनवरी के बीच बारिश होने और इससे वायु गुणवत्ता में कुछ सुधार होने की संभावना है। ग्रेटर नोएडा में भी वायु गुणवत्ता 295 दर्ज की गई जो खराब की श्रेणी में आता है। पड़ोसी शहरों गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता 366, गुरुग्राम में 355, नोएडा में 346 और फरीदाबाद में 340 दर्ज की गई। दिल्ली में पिछले 24 घंटों की वायु गुणवत्ता शाम चार बजे 389 दर्ज की गई। सुबह यह 387 थी।

दिल्ली के अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों की कमी नहीं: मंत्री सत्येंद्र जैन

■ नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री ने दी विधानसभा को जानकारी

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने सोमवार को विधानसभा को जानकारी देते हुए बताया कि राजधानी के सरकारी अस्पतालों और क्लीनिक में चिकित्सा कर्मियों का कोई अभाव नहीं है। बता दें कि जैन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब राजधानी में पिछले कुछ दिनों से कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। उन्होंने भाजपा के नेता और विधायक ओ पी शर्मा के सवाल के जवाब में यह कहा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि औषधालयों, अस्पतालों और क्लीनिक में चिकित्सकों, नर्स, पराचिकित्सकों और गैर-चिकित्सा कर्मचारियों की कोई कमी नहीं है। सरकार ने रिक्त पड़े पदों की सूची भी जारी की है। मंत्री ने कहा कि सरकार इन पदों पर भर्ती के लिए कदम उठा रही है। सरकार से रिक्त पदों पर भर्ती के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी सवाल किया गया। सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि उसने रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर संघ लोक सेवा आयोग और दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को पत्र भेजे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य द्वारा संचालित चिकित्सा सुविधाओं में विशेषज्ञों के 1,236 स्वीकृत पद हैं और इनमें से 932 पदों पर नियमित कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है और 43 पदों पर संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं जबकि 261 पद खाली पड़े हैं। जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ) के 1,357 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 1,219 पद भरे जा चुके हैं, जबकि 44 पदों पर संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं। जीडीएमओ के 84 पद खाली पड़े हैं।

रेलवे दिल्ली मंडल ने 2.48 लाख टन माल का लदान कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली मंडल उत्तर रेलवे ने दिसंबर 2021 में अब तक का सबसे अधिक माल लदान दर्ज किया। दिल्ली मंडल द्वारा व्यापार व उद्योग के साथ निरन्तर व सार्थक संवाद के परिणामस्वरूप इस वित्तिय वर्ष में माल लदान और माल लदान आय में उच्च गति आई है। डिम्पी गर्ग, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली ने कहा कि दिसंबर 2021 माह में माल ढुलाई 2.48 मिलियन टन हुई है जो दिसंबर 2020 की तुलना में इसी अवधि के लिए 1.88 मिलियन टन की माल ढुलाई से 31.91 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर माह में परिवहन की गई महत्वपूर्ण वस्तुओं में 0.96 मिलियन टन खाद्यान्न, 0.58 मिलियन टन खनिज तेल, 0.72 मिलियन टन कंटेनरीकृत सामान, 0.02 मिलियन टन उर्वरक के साथ-साथ 0.19 मिलियन टन विविध वस्तुएं, चीनी, ऑटोमोबाइल, सीमेंट सहित अन्य समान शामिल हैं। दिल्ली मंडल उत्तर रेलवे को दिसंबर 2021 में माल ढुलाई से 320.69 करोड़ रुपए की राजस्व आय हुई है।

कोरोना स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सोमवार को कोरोना के 4099 नए मामले सामने आए।

दिल्ली में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार

■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर ने रफ्तार पकड़ रही है। पिछले एक सप्ताह के मुकाबले यह दर बढ़कर 13 गुना हो गई है। वहीं कोरोना के एक्टिव केस की संख्या 10 हजार को पार कर गई। हालांकि राहत की बात है कि ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है, लेकिन संक्रमित के मुकाबले यह काफी कम है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सोमवार को कोरोना के 4099 नए मामले सामने आए। वहीं 1509 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि 1 मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1458220 लोग कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इनमें से 1422124 मरीज ठीक हो गए। वहीं 25100 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया है। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.72 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 10986 हैं। इनमें से राजधानी के विभिन्न अस्पतालों में 420 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 244 और हेल्थ सेंटर में 1 मरीज भर्ती हैं। घरों में 6288 मरीज अपना उपचार करवा रहे हैं। अस्पतालों में भर्ती 420 मरीजों में से 66 मरीज कोरोना लक्षण के साथ भर्ती हैं, वहीं 12 कोरोना संक्रमित मरीज एयरपोर्ट से अस्पताल में भर्ती किए गए हैं। अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित 342 मरीज में से 63 दिल्ली के बाहर से और 291 दिल्ली से हैं। इनमें से 211 मरीज हल्के लक्षण के साथ भर्ती हैं। इन्हें ऑक्सीजन की जरूरत नहीं, वहीं ऑक्सीजन के साथ 124 मरीज भर्ती हैं। वहीं गंभीर 7 मरीज वेंटिलेटर पर भर्ती हैं। राजधानी में कोरोना की जांच के लिए रविवार को 63477 टेस्ट हुए जिसमें 6.46 फीसद मरीज संक्रमित पाए गए। इन जांच के लिए आरटीपीसीआर से 57813 और रैपिड एंटीजन से 5664 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 32932684 टेस्ट किए गए।

संपादकीय

कोताही के हादसे

यह बेहद कष्टदायी है कि नये वर्ष की शुरुआत ऐसे हादसों से हुई जिन्हें टाला जा सकता था। हमारा तंत्र उन आशंकाओं से बेखबर रहता है जो कभी भी हकीकत में त्रासदी का सबब बन सकती हैं। अब चाहे यह वैष्णो देवी में भगदड़ में बारह लोगों की जान जाने का मामला हो या भिवानी में डाडम खनन क्षेत्र में पहाड़ी के टूटने से चार लोगों की मौत हो। गाहे-बगाहे हम ऐसी खबरें सालों से सुन रहे हैं कि धार्मिक स्थलों में भगदड़ से लोगों की मौत हो गई। कुंभ से लेकर छोटे मेलों तक मरने वालों की गिनती होती रहती है। विडंबना है कि हम ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाये कि एक सीमित व संवेदनशील भू-भाग पर स्थित धार्मिक स्थलों पर भीड़ अचानक बढ़ जाने पर अनुशासित व्यवस्था कर सकें। सवाल कोरोना संकट में तीर्थ पर बड़ी भीड़ को जुटने की अनुमति देने का भी है। नागरिक के रूप में भी हम सिर्फ शासन-प्रशासन पर जिम्मेदारी डालकर दायित्व-मुक्त नहीं हो सकते। जैसा कि बताया जा रहा है कि हादसे से पहले कोई विवाद हुआ, जिसने कालांतर भगदड़ का रूप ले लिया। विडंबना है कि हम आस्था के केंद्रों में भी शालीनता, संयम व सहनशीलता का व्यवहार नहीं करते -यह जानते हुए भी कि पहाड़ी इलाके में स्थित तीर्थ स्थल में हम सामान्य ढंग से आवागमन नहीं कर सकते। इस हादसे से सबक लेकर वैष्णो देवी मंदिर प्रबंधन को भविष्य में ऐसे हादसे टालने को गंभीर कदम उठाने होंगे।

वहीं भिवानी में पहाड़ी टूटने से चार लोगों की दबकर मौत होने की घटना विचलित करने वाली है जो प्रकृति के साथ मानवीय निर्ममता से उपजा संकट है। अक्सर खनन का ठेका लेने वाले लोग नियम-कानूनों को ताक पर रखकर खनन को अंजाम देते हैं। पहाड़ों के साथ होने वाले निर्मम व्यवहार का प्रतिफल मनुष्य को ही भुगतना पड़ता है। दु-ख है तो इस बात का कि इन हादसों का शिकार ऐसे लोग होते हैं, जिनका इसमें दोष नहीं होता है। दोष होता है तो गरीबी का कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर खनन कार्य से परिवार का भरण-पोषण करते हैं। निस्संदेह अवैज्ञानिक तरीके से पहाड़ी की खुदाई करने से वह दरकी है। उसके आधार में छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा होगा कि वह पहाड़ी की ऊपरी सतह का बोझ न सह पाया और आधार कमजोर होने से बड़ा हिस्सा भरभरा कर गिरा। सवाल यह भी है कि जब एनजीटी ने खनन पर लंबे समय तक रोक लगाई थी, उस रोक को हटाने की अनुमति देते समय इस संकट का आकलन क्यों नहीं किया गया? अक्सर खनन के दबंग ठेकेदार निर्धारित सीमा से आगे जाकर अनाप-शनाप खनन करते हैं, जिससे पारिस्थितिकीय संतुलन गड़बड़ा जाता है जो कालांतर हादसे का सबब बनता है। जिम्मेदार अधिकारियों का फर्ज बनता है कि वे जांच करें कि खनन नियम-कानून के अनुरूप हो रहा है कि नहीं, मगर प्राकृतिक संसाधनों की बंदरबांट में अधिकारी से लेकर राजनीतिक लोगों की भागीदारी हादसों की जमीन तैयार कर देती है।

समाधान निकाले भारत

कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट का पहला केस नीदरलैंड में पाया गया लेकिन इसकी उत्पत्ति दक्षिण अफ्रीका से मानी गई। अब तक इसके 108 से अधिक देशों में लाखों संक्रमित पाए जा चुके हैं, और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। एशिया सहित दुनिया भर के देशों ने पिछले साल की तरह फिर से यात्रा प्रतिबंध और पाबंदियां लगा दी हैं। तथ्य है कि ओमीक्रोन अधिक संक्रामक है। भारत में भी 19 राज्यों में इसके हजारों मामले पाए जा चुके हैं। भारत ने अनेक एहतियाती कदम उठाए हैं। फिलहाल इस बात से राहत है कि ओमीक्रोन पूर्व वेरिएंट डेल्टा जितना घातक नहीं है। लेकिन यह शुरुआती अध्ययनों की ही बात है। चिंता की बात यह है कि एशिया में ओमीक्रोन के फैलने और उसके फलस्वरूप फिर से बढ़ते प्रतिबंधों का भारत समेत तमाम एशियाई देशों पर भारी असर होगा। इसका अंदाजा सिंगापुर को सामने रखकर लगाया जा सकता है। सिंगापुर एशिया के सबसे बड़े व्यापार केंद्रों में प्रमुख स्थान रखता है। चीन और भारत जैसे देशों के व्यापार का बड़ा हिस्सा इस देश के जरिए ही संचालित होता है। सिंगापुर दक्षिण पूर्व एशिया में भारत का प्रमुख व्यापार सहयोगी है। भारत में सीधे विदेशी निवेश के मामले में सिंगापुरका प्रमुख स्थान है। 2020-2021 में भारत में कुल निवेश का 29 फीसदी सिंगापुर से ही आया। अमेरिका इस श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। भारत के कई प्रमुख स्टार्ट-अप और सतवस सेक्टर संबंधी कंपनियां सिंगापुर में स्थित हैं। भारतीय पर्यटकों के लिए सिंगापुर और थाईलैंड आकर्षण के बड़े केंद्र हैं। सिंगापुर, जापान और थाईलैंड में फिर से लगे प्रतिबंधों से भारत की अर्थव्यवस्था, व्यापार और इन देशों में काम कर रहे भारतीयों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। भारत को इन देशों खास तौर पर सिंगापुर के साथ मिलकर इस समस्या के समाधान का रास्ता ढूंढना पड़ेगा। ओमीक्रोन की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत को आगे बढ़कर रास्ता निकालना होगा। यह भारत के अपने हितों के लिए भी बहुत जरूरी है। इसका असर 2022 में इन देशों की आतथक रिकवरी पर ही नहीं बल्कि भारत के साथ आतथक संबंधों को सुधारने को कोशिश पर भी होगा। देखना है कि भारत अपनी विदेश नीति और घरेलू स्थिति में सामंजस्य बिठाकर इस समस्या से कैसे निपटता है!

परिधि/ राजीव मंड़ल

सही नहीं एकपक्षीय सोच

राजनीति करने में सबसे सहायक तत्व अगर कोई होता है तो वह 'धर्म' है। धर्म और आस्था की सीढ़ी चढ़कर सियासत करना किसी भी नेता या राजनीतिक पार्टी के लिए बेहद आसान और फायदेमंद होता है।

ताजा मामला हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर से जुड़व है जिन्होंने कहा कि खुले में नमाज किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खट्टर का मानना है कि सार्वजनिक तौर पर नमाज पढ़ा जाना अपने समाज की ताकत दिखाने की कोशिश दिखलाई पड़ती है। पहली नजर में देखें तो खट्टर का बयान कहीं से भी गलत नहीं दिखता है, लेकिन ईमानदारी और निष्पक्ष होकर बयान की विवेचना करें तो यह एकपक्षीय दिखता है। धर्म के नाम पर देश में कमोबेश हर धर्म और संप्रदाय के लोग अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हैं। चाहे अल्पसंख्यक समुदाय के हों या बहुसंख्यक हिंदू धर्म के। हर धर्म के कथित ठेकेदार इसे सरकार पर दबाव ड़ालने का सबसे मुफीद मंत्र मानते हैं। नि:संदेह सड़क पर नमाज अता करने का कोई औचित्य नहीं है। खुले में धार्मिक आयोजन तभी तक सही माने जाते हैं, जब तक कि अन्य लोगों को परेशानी की वजह न हों। यह सिद्धांत सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए नही, बल्कि बहुसंख्यक हिंदू समुदाय और बाकी धर्मों के मानने वालों पर भी समान रूप से लागू होता है। आखिर, खुले में नमाज की क्या कोई तार्किकता है? बिल्कुल नहीं। इससे होने वाली दिक्कतों को धर्म विशेष के लोग समझें तो यह उपक्रम धार्मिक और सामाजिक सौहार्द के लिए अनुपम उदाहरण बन सकेगा लेकिन ईमानदार सोच वाले धार्मिक लोगों की संख्या न के बराबर है। कोई भी धर्म दूसरों की भावनाओं को जब तक नहीं समझेगा तब तक कुछ भी बेहतर हासिल नहीं हो सकता है।

देश में इस वक्त धर्म को लेकर एक अजीब सी बयार चल पड़ी है। कहीं धर्म संसद के जरिए दूसरे धर्म के लोगों को 'कायदे से रहने' की चेतावनी दी जा रही है, तो कोई इसके जवाब में अपनी जमात की करोड़ों की भीड़ इकट्ठा कर अपनी ताकत का इजहार करना चाह रहा है। खट्टर या केंद्र की सरकार को वाकई अमन पसंद है, तो उन्हें हर धर्म के लोगों से एक समान व्यवहार करना होगा। कानून के मुताबिक काम करना होगा। हालांकि यह काम दुष्कर है। और ऐसा करना तराजू में मेढ़क तौलने के बराबर है। क्या वाकई देश में सर्वधर्म समभाव की किरण दिखती है?

स्थानीय भाषा में नवाचार कार्यक्रम का आधार

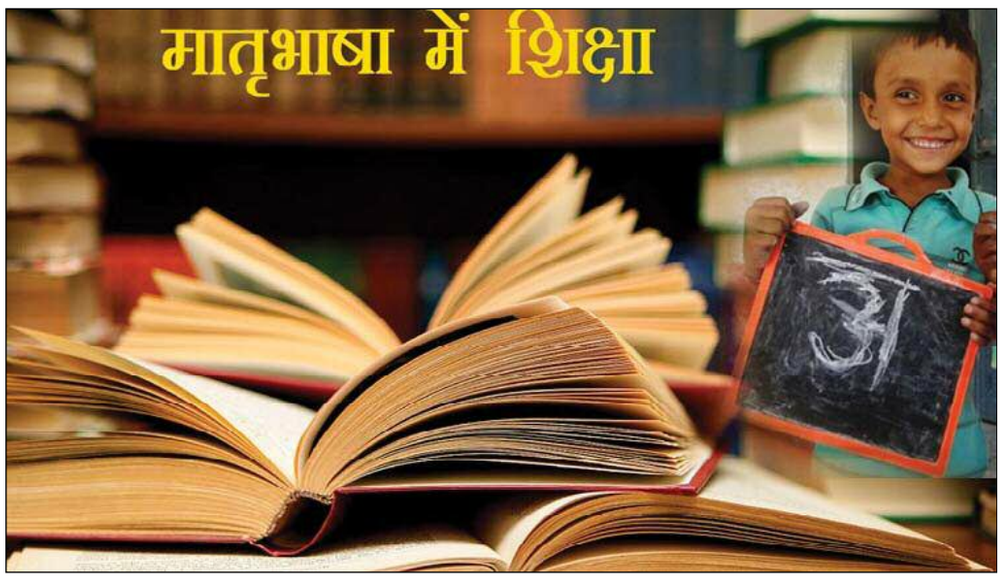

डॉ. चिंतन वैष्णव/ प्रो. पीवी मधुसूदन राव

दुनिया के अधिकांश हिस्सों की तरह भारत में भी मुख्यधारा के नवाचार इकोसिस्टम में पूरी तरह से भाग लेने के लिए एक नवोन्मेषी को अंग्रेजी में दक्षता की आवश्यकता होती है। एक स्थानीय भाषा का नवोन्मेषी, जो अंग्रेजी नहीं जानता है, संभवत: एक अंग्रेजी बोलने वाले की तुलना में उतनी आसानी से निवेश नहीं जुटा पायेगा, चाहे उसका नवाचार आधारित समाधान कितना भी रचनात्मक हो। ऐसा क्यों हो? क्या रचनात्मक अभिव्यक्ति कामकाज की भाषा पर निर्भर होनी चाहिए? बिल्कुल नहीं! हमने इस सम्बन्ध में कला क्षेत्र में बहुत सारे उदाहरण देखे हैं, जहां कुछ सबसे रचनात्मक कलाकार अंग्रेजी नहीं जानते हैं।

इसलिए यह स्थानीय भाषा में नवाचार कार्यक्रम (वर्नाक्युलर इनोवेशन प्रोग्राम-वीआईपी) तैयार करने का समय है, जो व्यवस्था के तहत रचनात्मक अभिव्यक्ति और भाषा को अलग-अलग करता है। अटल नवाचार मिशन (एआईएम), भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका संचालन नीति आयोग करता है। मिशन ऐसे ही एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ करने वाला है।

2011 की जनगणना के अनुसार, केवल 10.4 प्रतिशत भारतीय अंग्रेजी बोलते हैं और इनमें से अधिकांश के लिए यह दूसरी, तीसरी या चौथी भाषा है। आश्चर्य नहीं कि केवल 0.02 प्रतिशत भारतीय ही अपनी पहली भाषा के रूप में अंग्रेजी बोलते हैं। एक दशक बाद भी इस संख्या में बहुत बदलाव होने की संभावना नहीं है। फिर हमें स्थानीय भाषा के नवोन्मेषकों के लिए समान अवसर क्यों नहीं उपलब्ध कराना चाहिए, जो हमारी 90 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम निश्चित रूप से जानते हैं कि यह समूह भी, चाहे वे कोई भी भारतीय भाषा बोलते हों, कम-से-कम बाकी लोगों के समान ही रचनात्मक प्रतिभा के धनी हैं।

स्थानीय भाषा में नवाचार कार्यक्रम (वर्नाक्युलर इनोवेशन प्रोग्राम-वीआईपी) बनाने का क्या अभिप्राय है? एक स्तर पर, इसका मतलब एक नवाचार इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां एक स्थानीय नवोन्मेषक (ए) डिजाइन अवधारणा और उद्यमिता के आधुनिक विषयों को सीख सकता है, (बी) वैश्विक बाजारों तक पहुंच बना सकता है और (सी) निवेश आकर्षित कर सकता है। यह नवाचार और उद्यमिता से जुड़े जोखिमों को पूरी तरह कम करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह सिर्फ भाषा की बाधा को दूर करने से संबंधित है। भारत के संदर्भ में इसका मतलब 22 अनुसूचित भाषाओं के लिए अलग-अलग इकोसिस्टम तैयार करना है।

स्थानीय नवोन्मेषकों के लिए डिजाइन अवधारणा और उद्यमिता को सुलभ बनाने का पहला कदम इन आधुनिक विषयों को स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराने पर आधारित है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है- स्थानीय संस्कृतियों से इन्हें जोड़ना। एक भाषा से दूसरी भाषा में विषयों का अनुवाद युगों से होता आ रहा है। किसी भी अन्य पुस्तक की तुलना में हर गुजरते साल के साथ भगवद् गीता का अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि सरल अनुवाद का विचार नया नहीं है।

अब तक जो नहीं हो पाया है, वह है- इन विषयों को स्थानीय संस्कृतियों के अनुकूल बनाना। इसका सीधा अर्थ यह है कि इस तरह के अनुकूलन के लिए एक योजनाबद्ध तरीका मौजूद नहीं है, जो आवश्यक है। आखिरकार, एक पंजाबी व्यवसायी, एक तमिल व्यवसायी के समान नहीं है, भले ही वे दोनों समान व्यावसायिक सिद्धांतों का पालन कर रहे हों। इसी तरह, एक बंगाली उपभोक्ता, गुजराती उपभोक्ता के समान नहीं है। उनकी संस्कृतियों में सूक्ष्म अंतर है, जिनके बारे में हम सभी जानते हैं, लेकिन हमें इन अंतरों को व्यवस्थित रूप से व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं है। तो, इसे कैसे किया जाए? आइए हम इस पर एक प्रणाली के रूप में विचार करें।

किसी भी विषय को सीखने के दो प्राथमिक आयाम होते हैं- विषयवस्तु और शिक्षण शास्त्र। उच्चतम स्तर पर, अध्ययन सामग्री के लिए सीखने के सिद्धांत और इसके अनुप्रयोग की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, एक डॉक्टर इस सिद्धांत को सीखता है कि मन और शरीर कैसे कार्य करते हैं और इसे अपनी चिकित्सा पद्धति में लागू करता है। सिद्धांत आगे जाकर अवधारणाओं और उनके अंतर्संबंधों में विभाजित होता है।

शिक्षा शास्त्र, अध्ययन सामग्री को सिखाने और सीखने का एक तरीका है। किसी विषय के लिए मोटे तौर पर अध्ययन सामग्री समान होती है और इंटरनेट क्रांति के साथ आज दुनिया भर में कहीं से भी इस सामग्री तक पहुंचा जा सकता है, लेकिन यह अध्यापन-कला ही है, जो एक प्रभावी शिक्षक को दूसरे शिक्षकों से अलग करती है। उच्चतम स्तर पर, शिक्षा शास्त्र के तीन भाग हैं- शिक्षण उद्देश्यों का निर्माण, अध्ययन सामग्री को पढ़ाने और ज्ञान-प्राप्ति के प्रभावी तरीकों का उपयोग करना और यह आकलन करना कि क्या इच्छुक व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करने में सफल हो रहे हैं और यदि नहीं, तो अध्यापन-कला को बेहतर रूप में अपनाना। आज संकट यह है कि अध्ययन सामग्री तो आसानी से साझा हो जाती है, लेकिन अध्यापन-कला का तेजी से प्रसार नहीं हो पाता है।

एक स्थानीय भाषा नवाचार कार्यक्रम को दो अतिरिक्त आयामों की आवश्यकता होती है- भाषा और संस्कृति। उपरोक्त चर्चा के आधार पर, किसी विषय को किसी दूसरी भाषा में अपनाने के लिए अवधारणाओं, उनके अंतर्संबंधों और उदाहरणों के अनुवाद की आवश्यकता होती है। जब हम अंग्रेजी से 22 भारतीय भाषाओं में अवधारणाओं और अंतर्संबंधों का अनुवाद करेंगे, तो हम एक ऐसा संग्रह तैयार करेंगे, जो किसी भी द्विभाषी व्यक्ति को अपनी मूल भाषा से दूसरी भाषा में जाने की अनुमति देगा।

सटीक उदाहरणों के चयन से ही भाषा आयाम और संस्कृति आयाम का ताल-मेल स्पष्ट होता है। संस्कृति का विचार बहुत व्यापक है। इसलिए हमें उस हिस्से पर ही विचार करना चाहिए, जिसकी हमें यहां आवश्यकता है। संस्कृति के निम्नलिखित दो आयामों पर विचार करें- उद्यमिता संस्कृति और उपभोक्ता संस्कृति। क्षेत्र के आधार पर इनमें अंतर होता है। उद्यमिता संस्कृति, उच्चतम स्तर पर, क्षेत्र के लोगों की मान्यताओं, विश्वासों, जोखिम लेने की ताकत, क्षमता और महत्वाकांक्षाओं में दिखाई पड़ती है। इसी तरह, उपभोक्ता संस्कृति उस क्षेत्र के लोगों की जरूरतों, इच्छाओं, रीति-रिवाजों और सपनों में खुद को प्रकट करती है। यदि हम इन पहलुओं को समृद्ध उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कर सकते हैं, तो हम किसी विषय को संस्कृति के अनुकूल बनाने में सफल होंगे।

भारत में सत्तर हजार से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप के साथ, उद्यमिता संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए कई समकालीन उदाहरण मौजूद हैं। हालांकि स्थानीय भाषा में कामकाज करने वाले नवोन्मेषी इनमें शामिल नहीं हैं। इसलिए हमें क्षेत्रीय अनुभव और आंचलिक साहित्य पर भरोसा करना चाहिए। उदाहरण के लिए, मुंशी प्रेमचंद ने जीवन के विभिन्न पहलुओं तथा लोगों में अंतर्मन में गहरी बैठी आशाओं और आकांक्षाओं को चित्रित किया है, जिन्हें आज इस क्षेत्र की उद्यमिता और उपभोक्ता संस्कृति के अंतर्निहित तत्वों के रूप में समझा जा सकता है। अन्य भाषाओं में भी, इस तरह की लोकप्रिय रचानाओं में ज्ञान-प्राप्ति की दृष्टि से विभिन्न उदाहरण मौजूद हैं। हमें चयनित उदाहरणों के माध्यम से संस्कृति की इस गहराई को अपने नवाचार इकोसिस्टम से जोड़ना चाहिए।

अंतर्मन

अपने अनुकूल नजरिया बदलने की कला

रेनू सैनी

इस शताब्दी के 21 साल बीत गए। नये वर्ष की शुरुआत हो चुकी है। प्रत्येक व्यक्ति की यह कामना होती है कि नये वर्ष का जीवन एवं कार्य पुराने वर्ष से अच्छा हो। किसी भी वर्ष को सफल बनाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि व्यक्ति को दूसरों के साथ कार्य एवं व्यवहार की समझ हो। कई संबंध केवल इसलिए बिखर और बिगड़ जाते हैं क्योंकि व्यक्तियों को दूसरों के नज़रिए को प्रभावित करने की कला नहीं आती।

दूसरों पर नियंत्रण के लिए यहां किसी जादू की बात नहीं की जा रही है, अपितु एक मनोविज्ञान के नियम को उजागर किया जा रहा है। इस नियम को जानकर प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के कार्य और दृष्टिकोण पर सहजता से नियंत्रण पा सकता है। क्या आपको यह ज्ञात है कि जिन मामलों में आपके साथ अशिष्ट व्यवहार हुआ, आपको निम्नतर आंका गया, उनमें से 95 प्रतिशत मामलों में दरअसल आपने खुद ऐसी स्थिति की मांग की थी। उस समय आप सामने वाले के कार्य को नियंत्रित कर रहे थे और उसे मजबूर कर रहे थे कि वह आपके साथ अशिष्टता करे।

यह पढ़कर आपको अचरज हो रहा होगा कि भला यह कैसे हो सकता है? लेकिन यह सत्य है। मनोविज्ञान का नियम जानकर आप भी उपरोक्त कथन से सहमति जताए बिना नहीं रह पाएंगे। मनोविज्ञान का नियम है कि व्यक्ति सामने वाले द्वारा किए गए कार्य अथवा कथन पर समान प्रतिक्रिया करता है। समान प्रतिक्रिया करना सहज है लेकिन इससे मिलने वाले परिणाम आश्चर्यजनक हैं। हम कई बार व्यक्ति को बिना जाने-समझे ही उसके बारे में निर्णय कर लेते हैं कि वह सही नहीं है। यह धारणा बनाने के बाद हम उससे उसी के अनुरूप व्यवहार करते हैं, जिससे वह नकारात्मक प्रतिक्रिया दे। उसकी नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद हम अपनी पीठ थपथपाते हैं कि अमुक व्यक्ति के बारे में मेरी राय सटीक थी।

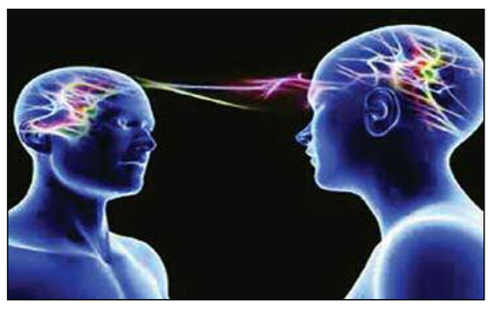

अमेरिकी नौसेना के साथ केनयॉन कॉलेज के स्पीच रिसर्च यूनिट ने यह साबित किया है कि जब किसी व्यक्ति पर चिल्लाया जाता है, तो वह व्यक्ति भी पलटकर चिल्लाए बिना नहीं रह सकता, भले ही वह वक्ता को न देख पाए। इस बात को जांचने के लिए फोन और इंटरकॉम पर एक परीक्षण किया गया। वक्ता फोन पर सरल सवाल पूछता था लेकिन हर बार सवाल अलग-अलग स्वर में पूछा जाता था। हैरत की बात यह थी कि जिस सुर में प्रश्न पूछा जाता था, उसी सुर में जवाब आता था। यदि प्रश्न सौम्य और सहज स्वर में होता था तो जवाब भी उसी सुर में। यदि प्रश्न क्रोध और रोषभरे स्वर में पूछा जाता था तो जवाब भी क्रोध एवं रोषपूर्ण होता था। यदि प्रश्न चिल्ला कर पूछा जाता था तो उत्तर भी चिल्ला कर ही मिलता था।

यदि इस मनोवैज्ञानिक परीक्षण को जीवन में इस्तेमाल किया जाए तो प्रत्येक व्यक्ति सामने वाले के क्रोध, डांट एवं नकारात्मक व्यवहार को अपने नियंत्रण में ले सकता है और छोटे से लेकर बड़े संबंध को सुधार सकता है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि व्यक्ति जितनी ऊंची आवाज में बोलता है, उसे क्रोध भी उतना ही तेज आता है। आवाज की गति धीमी रखने पर क्रोध नहीं आता। क्या आपने कभी किसी को मद्धिम स्वर में लड़ते अथवा गुस्सा करते देखा है? नहीं न। लड़ाई एवं क्रोध आवाज़ की हाई पिच पर ही होते हैं। मनोविज्ञान इस बात को स्वीकार कर चुका है कि नर्म आवाज और मंद स्वर का जवाब क्रोध एवं लड़ाई को मोड़ देता है।

उपरोक्त तथ्य को जानने के बाद सामने वाले की भावनाओं एवं मूड को आश्चर्यजनक तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इसे अप्रत्यक्ष रूप से जादू कहा जा सकता है। लेकिन यह आश्चर्यजनक कमाल जादू का नहीं बल्कि मनोविज्ञान के नियम का होता है। कई बार व्यक्ति को जब बहुत अधिक क्रोध आ रहा होता है तो वह कुछ नहीं देखता। उस समय उसकी आंखों में क्रोध एवं विध्वंस की लालिमा तैरने लगती है। यह लालिमा चिंगारी बनकर फूटे और नुकसान कर दे, इससे पहले इसे रोक लेना चाहिए। इसे रोकने के लिए तुरंत अपनी आवाज नीची कर लेनी चाहिए। आवाज नीची होने पर दूसरे पक्ष को भी अपनी आवाज नीची करनी पड़ेगी। मगर हां इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि यह कार्य मामला बिगड़ने से पहले करना है। यदि सामने वाले का क्रोध हमने तेज-तेज बोलकर चरम पर पहुंचा दिया तो फिर बात हाथ से निकल सकती है। इसके बाद हम कितने भी प्रयास करें लेकिन कमान से निकला तीर वापस कमान में डालना असंभव है।

यह बात क्रोध एवं लड़ाई के साथ अन्य कई मामलों में भी कारगर सिद्ध होती है। कई व्यक्ति स्वयं से इतने परेशान होते हैं कि वे नकारात्मक अधिक बोलते हैं, इसी तरह कई लोगों की बेवजह शिकायतें करने की आदत अधिक होती है। यदि हम भी उनके रंग में ढल जाते हैं तो मानवता का अवसान होने लगता है और संबंध बिखरने लगते हैं। संबंधों को जोड़ने के लिए मनोविज्ञान के 'नियंत्रण के नियम' को सीखना और उस पर अमल करना अनिवार्य है। ऐसा करके हम साल के सभी दिन जीवन में खुशी, सफलता, उत्साह एवं जोश के रंग भर सकते हैं।

स्मरण

क्रांति की ज्योति सावित्री बाई फुले

नवल किशोर कुमार

न्यूटन के गति के नियम केवल भौतिकी से संबंधित नहीं हैं। इनका संबंध समाजशास्त्र से भी है। कोई भी समाज तब तक जड़ रहता है जब तक कि कोई पहल न करे। पहल करने की अपनी शर्तें और परिस्थितियां होती हैं। क्या कोई कल्पना भी कर सकता है कि एक महिला ने 1840 के दशक में महिलाओं की मुक्ति के लिए सबसे अधिक आवश्यक शिक्षा को लेकर पहल की थी। यह कर दिखाया था 3 जनवरी, 1831 को शूद्र कृषक परिवार में जन्मीं भारत की पहली शिक्षिका सावित्री बाई फुले ने और वह भी केवल 17 की उम्र में।

1948 से 1951 के बीच एक के बाद एक उन्होंने लड़कियों की शिक्षा के लिए 18 स्कूल खोले। उनकी पहल में सबसे बड़े साझेदार उनके पति जोतीराव फुले थेग जिन्होंने अपनी पत्नी को न केवल पढ़ाया, बल्कि अन्य महिलाओं को पढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया। पति की ही प्रेरणा रही कि सावित्री बाई फुले का पूरा जीवन समाज में सबसे वंचित तबकों के लिए समतपत कर दिया। हालांकि यह इतना आसान भी नहीं था। जब वह पढ़ाने स्कूल जातीं तो लोग उन पर फब्तियां कसतेग गोबरग कीचड़ आदि फेंकते। लेकिन यह तो उन पर हो रहे हमले का बाहरी दृश्य था। दरअसल, उनके अपने ही परिजनों में भी रोष था कि शूद्र समाज की महिला कैसे घर से बाहर निकल कर स्कूल पढ़ाने जा सकती है। उनके ससुर ने तो पति-पत्नी, दोनों को ही अपने घर से निकाल बाहर किया था। इसके बाद फुले दंपति के लिए चुनौतियां पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई। लेकिन पति-पत्नी, दोनों ने ही उत्साह बनाए रखा और दृढ़ निश्चय के साथ समाज सेवा का अपना सरोकार मजबूत बनाए रखा। सावित्री बाई फुले का कार्यक्षेत्र स्कूल चलाने और खोलने तक सीमित नहीं था। 1873 में फुले द्वारा स्थापित 'सत्यशोधक समाज' की वह सक्रिय सदस्या रहीं और अनेक गतिविधियों में भाग लिया। उनकी भागीदारी तब भी दिखी जब फुले दंपति ने विधवा महिलाओं के लिए आश्रम खोले। दरअसल, उन दिनों महिलाओं के पुनतववाह की परंपरा नहीं थीं। ›ची जातियों में तो विधवाओं को अपने पति के साथ सती होने तक के लिए मजबूर कर दिया जाता था या उन्हें आजीवन विधवा के रूप में रहना पड़ता था। ऐसे में वे पुरु षों के जुल्म का शिकार होतीं और गर्भवती हो जाया करती थीं। फिर समाज गर्भ को नष्ट करने के लिए उन पर दबाव बनाता था। ऐसी परिस्थिति में सावित्री बाई फुले विधवा आश्रम का विचार लेकर आइफऔर पूरी बहादुरी के साथ ऐसी संस्थाओं का संचालन किया, जहां महिलाएं अपने उन बच्चों को जन्म दे सकती थी, जिन्हें समाज अवैध कहता था। स्वयं फुले दंपति ने भी ब्राह्मण समाज की एक महिला के ऐसे ही बच्चे को गोद लिया जिसका लालन-पालन अपनी संतान के रूप में किया। उस संतान का नाम पड़ा यशवंतराव फुले।

सावित्री बाई फुले ने अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार अकाल और महामारियों से त्रस्त लोगों की सेवा के लिए भी किया। 1877 में महाराष्ट्र में अकाल पड़ा। हजारों लोग उससे प्रभावित हुए। अप्रैल, 1877 में सावित्री बाई फुले 'सत्यशोधक समाज' के कार्यकर्ताओं के साथ पश्चिमी महाराष्ट्र के जुनेर परिक्षेत्र में थीं। वह इलाका भी अकाल से बुरी तरह प्रभावित था। साहूकारों की सूदखोरी और जमाखोरी से हालात दिन-ब-दिन विषम होते जा रहे थे। यहां तक कि दंगे भी होने लगे। सावित्री बाई फुले ने अपने कार्यकर्ताओं को दंगे शांत करने में लगा दिया। खुद डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर से मिलीं।

वहां से 20 अप्रैल, 1877 को उन्होंने जोतीराव फुले के नाम एक पत्र लिखा, 'वर्ष 1876 बीत चुका है। लेकिन अकाल नहीं गया। इस क्षेत्र में वह भीषण विभीषिका के रूप में ठहरा हुआ है। लोग भूख से मर रहे हैं। जानवर जमीन पर गिरकर दम तोड़ रहे हैं। यहां भोजन का बेहद अभाव है। जानवरों के लिए चारा नहीं है। लोग अपना गांव छोड़ने के लिए मजबूर हैं। कुछ लोग अपने बच्चों कोग अपनी जवान लड़कियों को बेचकर गांव छोड़कर जा रहे हैं। नदी-नाले और तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं। पीने के लिए पानी नहीं है। पेड़ सूखते जा रहे हैं, उनके पत्ते झड़ चुके हैं। सूखी, बंजर धरती में दरारें पड़ चुकी हैं। सूरज जला और झुलसा रहा है। लोग भोजन और पानी के लिए चिल्लाते-चिल्लाते धरती पर गिरकर दम तोड़ रहे हैं। भूख से व्याकुल कुछ लोग जहरीले फल खाने को विवश हैं। प्यास बुझाने के लिए वे अपना ही मूत्र पीने को मजबूर हैं। वे भोजन-पानी के लिए हा-हाकार करते हुए दम तोड़ रहे हैं।'

1890 में 28 नवम्बर को जोतीराव फुले के निधन के बाद भी सावित्री बाई फुले ने साहस नहीं खोया। 1893 में 'सत्यशोधक समाज' का सम्मेलन सासवद में हुआ। सावित्री बाई फुले ने उसकी अध्यक्षता की। ऐसी थीं क्रांति की ज्योति सावित्री बाई फुले। उनका निधन 10 मार्चग 1897 को तब हुआ जब वह प्लेग के रोगियों की सेवा कर रही थीं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

साईं भक्त डॉक्टर धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू को मिला उत्तर प्रदेश रत्न

बलरामपुर, समाजसेवी डा. धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' को दैनिक जागरण द्वारा समाज सेवा एवं कोरोना काल के समय जरूरमंदो को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रदत्त उत्तर प्रदेश रत्न सम्मान को अमेठी सांसद, केंद्रीय मंत्री भारत सरकार श्रीमती स्मृति ईरानी ने लखनऊ में एक समारोह में प्रदान किया । दैनिक जागरण द्वारा डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' को समाजसेवा के क्षेत्र में यूपी रत्न सम्मान मिलने पर जनपदवासियों, क्षेत्रवासियों व उनके शुभचिन्तको ने खुशी व्यक्त की है । बताते चले कि डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए हर वक्त तैयार रहते हैं आपके द्वारा लाकडाउन के दौरान हजारों लोगों को सेनेटाइजर, मास्क का वितरण करने के साथ साथ कोई भूखा न रहे इसके लिए प्रवासी श्रमिकों, जरूरतमंदों हेतु हजारों लंच पैकेट, भोजन की व्यवस्था की गई । इससे पहले समाजसेवी डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' को एक प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु डाक्टरेट की भी उपाधि प्रदान की गई ।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की कार्यदाई संस्था अरनेम कंसल्टेंसी बनी भ्रष्टाचारियों का अड्डा

क्राइम ब्यूरो चीफ विशाल शुक्ला

लखीमपुर खीरी । डूडा ऑफिस का गड़बड़ झाला आए दिन इसे हटाओ उसे लगाओ ईमानदारो पर वार भ्रष्टाचारियों से प्यार और भ्रष्टाचारियों के खास होने की वजह इनके खास होने की वजह वह जो कर सकते हैं वह ईमानदार नहीं कर सकता इसलिए ईमानदारी की सजा उसे भुगतने ही पड़ेगी और वो करते हैं उनके हिसाब से काम इन्हीं तरह के मामलों में उलझा हुआ है डूडा ऑफिस जिस कारण अपने कार्य को सही तरीके से अंजाम नहीं दे पा रहा है जिस वजह से लाभार्थी न्याय के लिए या उनके साथ क्या हुआ है उनका आवास आया है कब आएगी पहली किस्त कब आएगी दूसरी किस्त आदि समस्याओं से ऑफिस के चक्कर लगाता है डूडा ऑफिस इस ओर ध्यान न देकर अपने ही मकड़जाल में फंसा हुआ है जिससे प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की ऐसी तैसी करने पर खुद ही कार्यदायी संस्था अरिनेम कंसल्टेंसी के डीसी विनय श्रीवास्तव व उनके सहयोगी कर्मचारी जुटे हुए हैं और ईमानदारी से कार्य करने वाले लाभार्थियों का दर्द समझ उन्हें सही राय व न्याय दिलाने वाले विशाल त्रिवेदी को हटाने के पीछे वजह अपने आप मे एक सवाल सी बन गई है जिसके जिम्मेदार एजीएम विपिन भटनागर के पास कोई भी जवाब नहीं है कुल मिलाकर आपसी अंतर कलह से जूझ रहा डूडा ऑफिस सामान्य जनक स्थित मे नही है लाभार्थी जाए तो जाए कहा । .....क्रमशः...

वर्चस्व की लड़ाई मे हर हथकंडे अपना रहा है तबरेज

लखीमपुर-खीरी। कहते हैं पूर्व में राजघरानों की अलग शान होती थी खुद की अदालतें होती थी खुद के फैसले होते थे जिस पर क्षेत्रवासी अमल करते थे लेकिन समय बदलता गया हालात बदलते गए धन के लालच में परंपराएं तोड़ी गई हवेली पर पुलिस की दस्तक राजघराने की बहू पोते चौकी थानों पर कुकरा के राजा स्व अब्दुल रहमान खां की आत्मा को शांति कहा से मिलेगी जिनके पुत्त फजलुर के बेटे आफताब खां का बेटा तबरेज उर्फ तब्बू मोहल्ला नई बस्ती निकट मीनार मस्जिद कोतवाली सदर लखीमपुर-खीरी और स्व अब्दुल रहमान के बडे पुत्र अजीजूर रहमान के पुत्र अमीर रहमानी के पुत्र जिनके तीन पुत्र शाहब रहमानी उबैस रिजवान तथा राजा स्व अब्दुल रहमान खां के पुत्र शफिकुर रहमान उनके पुत्र शाहिर्दुरहमान की पत्नी जमीला बेगम के बीच है पूरा मामला क्योंकि जमीला के कोई पुत्र नहीं है जो शाहब रहमानी उबैस रिजवान के साथ गढ़ी में रहती है जो तबरेज खा को किनारे करना चाहता है लेकिन शाहब उबैश रिजवान चाची का साथ देने की वजह है तीनों भाइयों को इतनी बड़ी किमत चुकानी पड़ी की चचेरा भाई तबरेज मानवता को तार-तार करते हुए जान का प्यासा हो गया है पूरी कहानी यह है चाची को रास्ते से हटाना और साथ में चाची का साथ देने वालो को रास्ते से हटाने का गुरेज नहीं मौत का नंगा नाच कर राज घराने की परंपरा तोड़ने वाला तबरेज अपने अपराधी नौकर लकी के साथ मिलकर सभी को रास्ते से हटाने के लिए नए-नए षड्यंत्र चल रहा है किसी तरह से वह कुकरा का युवराज बन जाए इसके लिए रिश्ते नाते चाचा चाची भाई बहन कुछ नहीं हाय सिर्फ दौलत जिस दौलत के लिए कपड़े शुरू करो कुछ भी कर सकता है अपने भाइयों को रास्ते में रोककर अपने नौकरों से पिटवा ना कहां की मानवता है उससे रुपए सोने की चैन लूटना कैसा रिश्ता है लेकिन धन के आगे अंधा हो चुका तबरेज को कुछ नहीं दिखाई दे रहा है।

राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश पलटू राम जी द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत बच्चों को वितरित किया गया लैपटॉप

बलरामपुर, कोविड-19 महामारी के कारण अपने माता-पिता अथवा किसी अभिभावक को खोने वाले प्रभावित बच्चों के लिए महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत चयनित कुल 11 बच्चों में से 9 बच्चों को विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में माननीय राज्यमंत्री श्री पल्टूराम जी द्वारा लैपटॉप वितरण किया गया तथा सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। लैपटाप पाकर बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष पिंकू सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक गोविंद राम, जिला समाज कल्याण अधिकारी एमपी सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी सतीश चंद्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ रामचंद्र, वन स्टॉप मैनेजर कविता पाल, जिला कृषि अधिकारी, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी,अध्यक्ष/सदस्य बाल कल्याण समिति व अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाएगी ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट

गंगा आरती में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया **महिलाओं के सम्मान व स्वावलंबी बनाने के लिए समर्पित है सरकार: श्री पुष्कर धामी जी**

ऋषिकेश। ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी जी से उनके आवास में शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें तुलसी का पौधा भेंट किया साथ ही गंग सबला-एक संकल्पना परियोजना (महिलाओं द्वारा की जा रही गंगा आरती) उद्घाटन बेला में दिनांक 14 जनवरी 2022 समय अपराहन 4:00 बजे मकर संक्रांति के पावन पर्व पर निमंत्रण पत्र दे कर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने आरती में सम्मिलित होने का आश्वासन व अपना पूर्ण समर्थन दिया साथ ही कहा कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भाजपा सरकार महिला के सम्मान, सुरक्षा और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए समर्पित है। केन्द्र और प्रदेश की सरकार जाति-धर्म और मजहब से ऊपर उठकर लोगों के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा भाजपा की सरकार में महिलाओं को सर्वाधिक अवसर और सुरक्षा दी गई।

श्री विशाल भट्ट ने इस अवसर पर कहा कि देश के युवाओं को राज्य धर्म, राष्ट्र धर्म व परिवार धर्म के साथ साथ पर्यावरण धर्म का भी पालन करना चाहिए।

संध्या जी ने कहा कि महिला उत्थान के लिए महिला सुरक्षा और महिला स्वावलंबन बहुत जरूरी है। ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वावलंबी बनाना व अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

शांति जी ने कहा कि जरूरी नहीं है कि आप पढ़े-लिखे हैं और आपके पास डिग्रियां हैं तो ही आप आत्मनिर्भर बन सकते हैं। जरूरी यह है कि आप अपने हुनर को पहचान कर भी आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

सुशीला सेमवाल जी मंडल उपाध्यक्ष मुनी की रेती ऋषिकेश ने कहा महिलाएं एकजुट होकर पुनः भाजपा की सरकार बनाएंगी और कहा कि महिलाओं की ताकत से भाजपा पुनः और मजबूत सरकार बनाएगी। भाजपा ने हर मोर्चे पर जमीनी धरातल पर काम किया है। हर वर्ग के लोग सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं और कहा कि महिलाएं बेहतर ढंग से जानती है कि भाजपा में ही उनका और देश, प्रदेश का भविष्य सुरक्षित है।

इस अवसर पर ऋषिकेश गंगा आरती से संध्या जी युवक मंगल दल हरिपुर कला अध्यक्ष विशाल भट्ट ,गंग-सबला प्रोजेक्ट मैनेजर शांति जी, सुशीला सेमवाल जी मंडल उपाध्यक्ष मुनी की रेती ऋषिकेश आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री द्वारा वर्चुअल रूप से जनपद में 142 करोड़ रुपए लागत की 137 परियोजनाओं का शिलान्यास

241 करोड़ रुपए लागत की 93 परियोजनाओं का किया गया लोकार्पण

बलरामपुर, उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी द्वारा लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम कि प्रदेश के विभिन्न जिलों की परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जनपद में जिला पंचायत सभागार में मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री पल्टूराम जी व विशिष्ट अतिथि माननीय विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में माननीय उप मुख्यमंत्री जी के वर्चुअल संवाद को माननीय अतिथिगण व आम जनमानस द्वारा सुना गया।इस अवसर पर माननीय राज्यमंत्री जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी व माननीय मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम बना रहा है। जनपद बलरामपुर जोकि पिछड़े जनपद के रूप में गिना जाता था, आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, योगी सरकार में सड़कों एवं एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर किया गया, हर गांव को सड़क से जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड अनिल कुमार ने बताया कि आज माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी द्वारा जनपद में 142 करोड़ रुपए की लागत की 137 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिसमें की 217 किलोमीटर लंबाई सड़क मार्ग तथा 24 सेतु व एक भवन सम्मिलित है तथा 241 करोड़ रुपए की लागत की 93 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया जिसमें कि 338 किलोमीटर लंबाई की सड़क कार्य तथा 06 सेतु सम्मिलित है।इस अवसर पर माननीय विधायक गैसड़ी प्रतिनिधि अजीज ,सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी शैलेश ठाकुर, प्रदीप कुमार शर्मा, सुशील कुमार श्रीवास्तव ,जमाल अहमद वह अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

5 करोड़ 12 लाख की लागत से निर्मित फायर स्टेशन का वर्चुअल रूप से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने किया लोकार्पण

बलरामपुर, उतरौला उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद सहारनपुर से 199 करोड़ की 112 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जिसमें की जनपद में तहसील उतरौला में 5 करोड़ 12 लाख की लागत से निर्मित पुलिस फायर स्टेशन परियोजना भी सम्मिलित रही।इस अवसर पर जनपद में फायर स्टेशन प्रांगण में वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम मुख्य अतिथि माननीय विधायक उतरौला रामप्रताप वर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। माननीय मुख्यमंत्री जी के वर्चुअल संवाद को उपस्थित अतिथि गण व आम जनमानस द्वारा सुना गया।इस अवसर पर माननीय विधायक उतरौला द्वारा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में आम जनमानस को बताया गया।इस अवसर पर सीओ उतरौला, जिला अग्निशमन अधिकारी राजमंगल, जनप्रतिनिधिगण व संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रमिकों, बेसहारा जन ,किसानों के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध, समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मिल रहा है सरकार की योजनाओं का लाभ- राज्यमंत्री श्री पल्टूराम

बलरामपुर, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश के डेढ़ करोड़ संगठित/असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं निर्माण श्रमिकों को भरण-पोषण भत्ता वितरण किए जाने योजना के प्रथम चरण में ?500 प्रति माह की दर से 2 माह की धनराशि का ऑनलाइन हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर जनपद में कलेक्ट्रेट परिसर में मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री पल्टूराम जी, विशेष अतिथि हनुमानगढ़ी महंत महेंद्र दास, अपर जिलाधिकारी राम अभिलाष की उपस्थिति में श्रमिकों को भरण-पोषण राशि हस्तांतरण कार्यक्रम व साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में आम जनमानस को संबोधित करते हुए माननीय राज्यमंत्री ने कहां की माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी व माननीय मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में सरकार की योजनाए धरातल पर साकार हो रही है तथा उनका लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में 100 रुपए द्वारा भेजा जाता था तो 15 रुपए ही धरातल पर पहुंचता था, योजनाओं के पैसों का बंदरबांट कर लिया जाता था। माननीय प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में आज सीधे लाभार्थियों के खातों में योजनाओं का पैसा भेजा जा रहा है। बिचौलियों की भूमिका खत्म करने का कार्य योगी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में केवल कागजों पर ही योजनाएं चलती थी, आज योगी सरकार में गरीब, श्रमिक, किसान, युवा सभी को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर माननीय राज्य मंत्री जी द्वारा संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत डेढ़ सौ श्रमिकों के बालक व बालिकाओं को साइकिल वितरण व श्रमिकों को श्रम कार्ड व स्वीकृति पत्र वितरण किया गया इस अवसर पर सहायक श्रमायुक्त कुलदीप सिंह ने बताया कि आज जनपद के 69 हजार 801 असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं निर्माण श्रमिकों के खातों में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा ?500 प्रति माह की दर से 1000 रुपए भरण पोषण भत्ता ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में उपस्थित लाभार्थियों को विस्तार से बताया।इस अवसर पर सभी लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी के संवाद कार्यक्रम को वर्चुअल रूप से देखा गया।इस दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी भूपेंद्र मिश्र व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरसों का सपना हुआ पूरा सीमा मिश्रा ने धारण किए सुहाग चिन्ह

-अर्जुनपुर बड़ागांव रामगंगा नदी के पक्के पुल का उपमुख्यमंत्री ने वर्चुअल किया शिलान्यास

हरपालपुर-हरदोई के हरपालपुर कटियारी क्षेत्र बड़ागांव अर्जुनपुर रामगंगा नदी पर पक्के पुल की वर्षों से लगातार चली आ रही मांग को क्षेत्रीय भाजपा विधायक व उत्तर प्रदेश शासन के महाधिवक्ता के प्रयासों से पुलकी स्वीकृति मिलने के बाद मंगलवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के द्वारा वर्चुअल शिलान्यास किया गया है।

कटियारी क्षेत्र के बड़ागांव में एक जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें अर्जुनपुर बड़ागांव रामगंगा नदी पर 10678.71 लाख की लागत से पुल का निर्माण कार्य हो रहा है। जिसका उत्तर प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के द्वारा वर्चुअल शिलान्यास किया गया है वही 2014 में जब अर्जुनपुर पुल का निर्माण नहीं हो पाया तो सीमा मिश्रा ने तत्कालीन जिलाधिकारी रमेश चंद्र मिश्रा के कार्यालय के सामने अपने सुहाग चिन्ह त्याग दिए थे उनका संकल्प था कि जब तक अर्जुनपुर बड़ागांव रामगंगा नदी पर पक्का पुल नहीं बन जाएगा तब तक वह सुहाग चिन्ह नहीं धारण करेंगी वहीं मंगलवार को जब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पुल का शिलान्यास किया तो क्षेत्रीय भाजपा विधायक माघवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने सीमा मिश्रा को सुहाग चिन्ह भेंट किए तथा उनके पति महेश मिश्रा के द्वारा उन्हें सुहाग चिन्ह पहनाए गए हैं। पुल के लिए लगातार संघर्ष करने वाली संस्थाओं को विधायक के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया है विधायक ने कहा कि यह पुल बन जाना किसी त्योहार से कम नहीं है पुल को लेकर तमाम विभागीय कठिनाइयां हुई जिस व्यक्ति ने समाज के लिए समय दिया वह वंदनीय है सवाजपुर विधानसभा के मुख्य मुद्दे सभी समाप्त हो गए हैं तथा विपक्ष मुद्दा विहीन हो गया है आने वाले समय में अगर मैं विधायक बनता हूं तो चियासर पुल के लिए लड़ाई लड़ूंगा पहली ऐसी महिला देखी है भारत की राजनीति में जिसने पति के जीवित होने के बावजूद भी अपने सुहाग चिन्ह त्याग दिए उनको मैं नमन बारंबार प्रणाम करता हूं इस मौके पर परियोजना निदेशक वित्त निगम के के श्रीवास्तव मुन्नूलाल पांडे प्रमोद तिवारी नारदनंद त्रिपाठी कमलेश पाठक अनिल सिंह आशीष पांडे जितेंद्र राजपूत आदि लोग मौके पर मौजूद रहे।

प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

टड़ियावां-हरदोई-जनपद के थाना टड़ियावां क्षेत्र के एक गाँव मे प्रेमी युगल ने फाँसी लगाकर आत्महत्या की है

आपको बताते चलें कि यहाँ थाना टड़ियावां क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरदापुर के मजरा गाँव डड़वानी निवासी प्रेमी युगल राहुल 22 पुत्र शिवकुमार एवं उमा भारती 18 पुत्री सतीश ने आज मंगलवार की बीती रात गाँव के किनारे बेरी के पेंड़ में रस्सी से फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली सुबह ग्रामीण जब घरों से निकले तो प्रेमी युगल को फाँसी पर झूलते देख परिजनों को सूचना दी जिसके बाद उक्त घटना की सूचना पुलिस को दी गयी मौके पर पहुँची पुलिस प्रेमी युगल के शव को अपने कब्जे में लेकर दोनों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्रामीणों के अनुसार राहुल व उमाभारती दोनों एक दूसरे से करीब 4 वर्षों से मोहब्बत करते हैं।इस चार वर्षों की मोहब्बत में प्रेमी युगल एक दूसरे से शादी करने के लिए तैयार थे परंतु उनकी शादी दोनों के परिजनों को नामंजूर थी। राहुल के पिता शिवकुमार ने राहुल की शादी भी 10 दिन पूर्व दूसरी जगह से तय कर दी थी। लेकिन उक्त प्रेमी युगल एक दूसरे की मोहब्बत में इतना चूर थे कि साथ जी नही सके तो मरने के वादे निभा डालें। वही प्रभारी निरीक्षक टड़ियावां राजदेव मिश्र ने बताया कि शवो का पंचनामा भरकर भेज दिया गया है जांच में जो भी आएगा उसी के अनुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी।।

शादी के बाद फिर बोल्ड अंदाज में दिखीं अंकिता लोखंडे

प्लास्टर के साथ कराया फोटोशूट

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे का एक वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में अंकिता लोखंडे शॉर्ट ड्रेस में बोल्ड अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में अंकिता अपनी कुछ कलीग्स के साथ बोल्ड लुक्स देती दिख रही हैं। उन्होंने ये वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ये साल और मजबूत, बहादुर, दयालु और अनस्टॉपेबल होगा। ये साल कमाल का होगा। क्या कहती हो लड़कियों? अंकिता के फैन पेजों पर जमकर ये वीडियो शेयर किया जा रहा है।

बोल्ड अदाएं पर पैर में दिखा प्लास्टर

वीडियो में अंकिता लोखंडे और उनकी को-मॉडल्स की अदाओं के बीच गौर करने की बात ये भी है कि एक्ट्रेस के पैर पर चढ़ा हुआ प्लास्टर साफ देखा जा सकता है। मालूम हो कि अंकिता लोखंडे ने पिछले साल दिसंबर में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विकी जैन से शादी कर ली थी। शादी से ठीक पहले उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था।

प्लास्टर लगाए नजर आई अंकिता

हालांकि बावजूद इसके उन्होंने अपने प्रीवेडिंग फंक्शन्स और शादी में जमकर एन्जॉय किया। शादी के बाद वह एक बार फिर से पैर में प्लास्टर लगाए नजर आने लगी हैं। इस बोल्ड लुक में भी वह पैर में प्लास्टर पहने हुए हैं और उनका ये अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। हालांकि उन्होंने जिस पोस्ट में ये वीडियो शेयर किया है उसमें कमेंट सेक्शन को डिसेबल कर दिया है।

जमकर शेयर कीं शादी की तस्वीरें

शादी की बात करें तो अंकिता लोखंडे की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर जमकर वायरल हुई थीं। एक्ट्रेस तब से लेकर अभी तक अपनी शादी और प्री-वेडिंग फंक्शन्स की तस्वीरें इंटरनेट पर फैंस के लिए शेयर करती रही हैं।

दिशा पाटनी ने पिंक बिकिनी में शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें, फैंस बोले- ये तो जलपरी है

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने समंदर में स्विमिंग करते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। फोटोज में दिशा पाटनी पिंक बिकिनी में स्विमिंग करते नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर काफी तेजी से वायरल हो गई हैं। फोटोज में दिशा पाटनी काफी बोल्ड अंदाज में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कोई कैप्शन नहीं लिखा है लेकिन फैंस ने कमेंट बॉक्स में उनकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं।

दिशा की तस्वीरों पर फिदा हुए फैंस

ढेरों यूजर्स ने फायर और हर्ट इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में उन्हें जलपरी बताया है तो एक अन्य फैन ने उन्हें खूबसूरती की रानी कहा है। दिशा पाटनी की ये तस्वीरें फैंस के दिलों का चैन लूटने के लिए काफी हैं। दिशा पाटनी अपने वर्क फ्रंट के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं।

टाइगर श्रॉफ को कर रही हैं डेट

दिशा पाटनी पिछले काफी वक्त से जैकी श्रॉफ के बेटे, एक्टर टाइगर श्रॉफ को डेट कर रही हैं। दोनों ही कलाकार फिटनेस फ्रीक हैं। जहां टाइगर श्रॉफ अपनी हेल्थ को लेकर कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं करते हैं वहीं दिशा पाटनी भी बहुत हेल्थ कॉन्शियस हैं। दोनों ही कलाकार मार्शल आर्ट्स का शौक रखते हैं और वर्क फ्रंट पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

जल्द ही इन फिल्मों में आएंगी नजर

दिशा पाटनी की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो 'KTina' और एक विलेन रिटर्न्स में काम करती नजर आएंगी। इसके अलावा उनकी अपकमिंग फिल्म योद्धा का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इन तीनों ही फिल्मों की शूटिंग अभी चल रही है और माना जा रहा है कि साल 2022 में ये फिल्में दर्शकों को देखने को मिल सकती हैं।

सैफ अली खान की बेटी को सता रही मालदीव की याद! शेयर की शॉर्ट स्कर्ट में फोटो

बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया एफ (फर्नीचरवाला) को इन दिनों मालदीव की याद सता रही है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और उन्होंने हाल ही में मालदीव से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अलाया ने लिखा- मेंटली तो मालदीव में हूं। तस्वीर में अलाया बीच के किनारे शॉर्ट स्कर्ट और बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। व्हाइट कलर के इस बोल्ड आउटफिट में अलाया कमाल की लग रही हैं और उन्होंने बालों की पोनी बना रखी है। किसी प्रिंसेस जैसा पोज देकर उन्होंने फोटो खिंचवाई है।

सैफ के साथ की थी करियर की शुरुआत

मालूम हो कि अलाया एफ ने बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान की फिल्म जवानी जानेमन के जरिए डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह सैफ अली खान की बेटी का किरदार निभाती नजर आई थीं। फिल्म में अलाया का किरदार काफी पसंद किया गया था हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं दिखा सकी जिसकी इससे उम्मीद की जा रही थी।

2022 में आएंगी कई दमदार फिल्में!

साल 2021 अलाया के लिए जरूर फीका साबित हुआ लेकिन अब 2022 में उनकी कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। यू टर्न, फ्रेडी और एक और गजब कहानी जैसी फिल्मों में अलाया अपने अभिनय का जादू दिखाती नजर आएंगी। हालांकि इसी बीच एक बार फिर से भारत में कोविड का कहर बढ़ता देखने को मिल रहा है।

सोशल मीडिया पर स्टार हैं अलाया

सोशल मीडिया पर अलाया की मौजूदगी की बात करें तो 11 लाख से ज्यादा लोग अलाया को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं। सोशल पर्दे पर भले ही अभी उन्हें वो पहचान और पॉपुलैरिटी हासिल करना बाकी है लेकिन सोशल मीडिया पर अलाया अभी से स्टार बन चुकी हैं। देखना होगा कि उनकी आने वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल कर पाती हैं।

काजोल ने स्लिट ड्रेस पहन 47 की उम्र में ढाया कहर, फैंस कर रहे कमेंट

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल की एक्टिंग का ही कमाल है, जिससे काजोल का जलवा कायम है. इसके साथ ही फैशन स्टाइल के मामले में अभिनेत्री काजोल ज्यादातर ट्रेडिशनल आउटफिट्स से कहर ढाती हैं. काजोल को वेस्टर्न सिल्हूट्स पहनना पसंद नहीं, लेकिन भारतीय ड्रेसेस से उन्हें कुछ ज्यादा ही लगाव है. हालांकि जब कभी हसीना वेस्टर्न अटायर्स कैरी करती हैं, तो हर उनकी बोल्ड अदाएं देखता रह जाता है.आपको बता दें कि फेस्टिव पार्टी के दौरान तो आपने काजोल को रॉयल लुकिंग क्लोद्स के साथ ही देखा होगा, लेकिन रेड कार्पेट पर काजोल अपने ग्लैमरस लुक्स से तड़का लगाना बिल्कुल नहीं भूलती.

वैसे तो ज्यादातर काजोल को डिजाइनर साड़ियां और कुर्ता सेट पहनना पसंद करती हैं, मगर कई बार वह बोल्ड सिल्हूट्स में भी अपनी अदाएं दिखाना नहीं भूलती. ऐसा ही एक लुक रिसेन्टली देखने को मिला, जिसमें हसीना रेड कलर की सेक्सी ड्रेस पहन अपने किलर लुक्स से घायल करने का काम कर रही हैं.

अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर रेड कलर की ड्रेस में एक लुक शेयर किया है, जिसमें वह गजब की हॉट नजर आ रही हैं. हसीना ने इस मिडी ड्रेस में कई किलर पोज दिए थे, जिसमें उनकी कर्वी बॉडी खूब हाईलाइट हो रही थी. काजोल की यह ड्रेस एक तरह की बॉडी हगिंग ड्रेस थी, जिसमें उनकी बॉडी के साइड कर्व्स और फ्लैट टमी शो होता दिख रहा था.

पुरुषों के लिए हेयर ऑयल

पसीनें की वजह न सिर्फ त्वचा की नमी और चमक जाने लगती है। पसीने और चिपचिपाहट की वजह से बाल भी रुखे और बेजान लगने लगते हैं। खासकर पुरुषों के साथ यह समस्या बहुत ज्यादा होती हैं। इसलिए कई पुरुष गर्मी आते ही तेल लगाना छोड़ देते हैं, मौसम बदलते ही तेल लगाना न छोड़े अपने बालों के अनुसार तेल चुने और लगाएं। इससे बालों को पोषण मिलने के साथ ही गर्मी में आपको सुकून मिलेगा। आइए जानते है कि पुरुषों को अपने बालों के अनुसार कौनसा तेल लगाना चाहिए।

जोजोबा ऑयल

सूखे और डेमेज्ड हेयर के लिए जोजोबा ऑयल सूखे और डेमेज्ड, ड्रेंडफ से भरे हुए बालों को सही करने का काम करता है। यह एक तरह से नॉन स्टिकी और नॉन ग्रीसी ऑयल होता है, यह बालों में सीरम की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टिरियल गुण मौजूद होते हैं जो बालों के जड़ों में अवशोषित होकर जड़ों को रिपेयर करने का काम भी करते हैं।

नारियल का तेल

सभी तरह के बालों के लिए नारियल का तेल हमारे देश में मुख्यत यूज में लिया जाता है। यह बहु उद्देश्यी तेल है जो कि हर तरह का बालों में लगाया जा सकता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने के साथ ही यह आपके जड़ों में से ड्रेंडफ हटाने के अलावा बालों को पोषण देने के साथ ही चमकदार बनाता है।

ऑलिव ऑयल

सेंसिटिव बालों के लिए यह एक तरह से बालों के लिए बहुत ही अच्छा कंडीश्नर है। यह कभी भी बालों में किसी तरह का एलीर्जिक रिएक्शन को नहीं बढ़ाता है। यह हर तरह के सेंसेटिव बालों में सूट हो जाता है। यह जड़ों को हेल्दी बनाए रखता हैं।

आईलाइनर को स्मज होने से बचाएं

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करता है। इससे आंखें और भी बड़ी व अट्रैक्टिव नजर आती है। ऐसे में लड़कियां अपनी डेली रूटीन में ब्लैक आईलाइनर को अलग-अलग तरीकों से लगाना पसंद करती है। इसके अलावा पार्टी या खास मौके पर कई लड़कियां कलर्ड लाइनर भी यूज करती है। मगर ज्यादा इसके स्मज यानी फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में लुक खराब होने की चिंता रहती है। साथ ही कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी इन समस्याओं से परेशान है तो आज हम आपको लंबे समय तक आईलाइन टिका रहने के कुछ टिप्स बताते हैं।

टोनर करें इस्तेमाल

आईलाइनर लगाने से आंखों को टोनर की मदद से साफ करें। इससे आंखों के आसपास जमा एक्सट्रा आयल व गंदगी साफ होने में मदद मिलेगी। ऐसे में लाइनर आसानी से लगने के साथ फैलने का खतरा कम रहेगा।

प्राइमर करें यूज

अपनी आईलिड पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए प्राइमर लगाएं। उसके बाद इसपर आईलाइनर लगाएं। इससे आपका लाइनर लंबे समय तक टिका रहेगा। साथ ही इसे लगाने में भी आसानी होगी।

सही आईलाइनर का करें चुनाव

बाजार में अलग-अलग तरह के आईलाइनर मिलते हैं। ऐसे में आप इसे अपनी स्किन टाइप के हिसाब से खरीद सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी स्किन ड्राई या नार्मल है तो आप लिक्विड, क्रीम बेस्ड या पेंसिल आइलाइनर ले सकती है। इसके विपरीत ऑयली स्किन वालों के लिए जेल लाइनर बेस्ट रहेगा। ये जल्दी स्मज नहीं होंगे। ऐसे में आंखों की खूबसूरती बरकरार रहेगी।

वाटरप्रूफ आईलाइन खरीदें

आईलाइन खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वो वाटरप्रूफ हो। ये लंबे समय तक लगे रहने के साथ आंखों को नुकसान होने से भी बचाता है।

पहले करें लैशेज कर्ल

अगर आप आईलाइनर लगाने के बाद लैशेज कर्ल करती है तो अपनी इस आदत को बदल लें। असल में,कर्लर का सिलिकॉन पैड कुछ पिगमेंट को दूर करता है। ऐसे में लंबे समय तक आईलाइनर टिका रहने में मदद मिलती है। इसलिए हमेशा पहले लैशेज को कर्लर की मदद से गोल करें। उसके बाद ही आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

शिशु की त्वचा से बाल हटाने के उपाय

आटा और सरसों का तेल

चार चम्मच गेहूं के आटे में दो-तीन चम्मच सरसों का तेल मिलाएं। इसको थोड़ा सा पानी डालकर गूंध लें और इसकी लोई यानी बॉल बना लें। शिशु की मालिश के बाद इस लोई में हल्का सा तेल लगाकर शिशु के शरीर पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे मलें। ऐसा कुछ दिनों तक लगातार करने से बाल हटने लगेंगे। अगर बच्चे को सरसों का तेल सूट नहीं करता है तो इसके लिए आप उस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे आप शिशु के शरीर की मालिश करती हैं।

आटा, हल्दी और बादाम का तेल

तीन-चार चम्मच आटे में आधा चम्मच हल्दी और दो चम्मच बादाम का तेल डालकर गूंध लें। इसकी मुलायम लोई बनाएं जो शिशु के शरीर पर चिपके नहीं, इस लोई में हल्का सा बादाम का तेल लगाकर शिशु के शरीर पर हल्के हाथों से मलें। चेहरे के बाल हटाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

बेसन, दूध और हल्दी

शिशु के शरीर से बाल हटाने के लिए आप बेसन, दूध और हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। तीन-चार चम्मच बेसन में चौथाई चम्मच हल्दी और दो-तीन चम्मच दूध मिलाकर आटे की तरह गूंध लें। इसकी लोई बनाकर धीरे-धीरे शिशु के शरीर पर मलें। इस प्रक्रिया को शिशु की मालिश के बाद रोज़ाना दस-बारह मिनट तक दोहराएं। कुछ दिनों में शरीर से बाल हटने लगेंगे। दो चम्मच चंदन पाउडर में दो चुटकी हल्दी मिलाएं और दो चम्मच दूध मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को शिशु की शरीर पर हल्के हाथों से लगाएं। जब ये थोड़ा सूख जाये तो धीरे-धीरे मलते हुए इस पेस्ट को शिशु के शरीर से हटाएं। इसके बाद उसके शरीर को गीले कपड़े से साफ कर दें या नहला दें।

मसूर दाल, ऑलिव ऑयल और दूध

दो चम्मच मसूर दाल को रात को पानी में भिगो दें। सुबह इसको महीन पीस कर इसका पेस्ट बना लें। इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं और दो चम्मच दूध मिलाएं। इस पेस्ट को शिशु के शरीर पर लगाकर आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से मलते हुए इसे शरीर से हटा दें।

ऐसे करें गुलाब जल का इस्तेमाल

चेहरे से मुहांसों के दाग हटाने के लिए

चेहरे से मुहांसों के दाग हटाने के लिए, आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए रोजाना रात को सोने से पहले, गुलाब जल को रुई की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं और रात भर के लिए ऐसे ही छोड़ दें.

ऱ्क स्पॉट्स को हटाने के लिए

डार्क स्पॉट्स को हटाने के लिए, आप एक चम्मच दही में, 15 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं और 5 बूंदें नीबू के रस की मिलाएं. इस मिक्सचर को अपने चेहरे पर आधे घंटे के लिए फेस पैक की तरह से लगाएं और सूखने पर चेहरा धो लें.

स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए

स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए, आप एक चम्मच बेसन में, एक चम्मच दही मिलाएं और उसमें 15 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं. इसको अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह अप्लाई करें. इसके 20 मिनट बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें.

चेहरे पर ताजगी के लिए

चेहरे पर नमी और ताजगी के लिए, आप तीन चार चम्मच गुलाब जल को आइस ट्रे में डालकर फ्रीजर में रख दें. जब यह आइस क्यूब जम जाए, तो इसको निकाल कर, इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से रब करें. इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा, स्किन में कसाव आएगा साथ ही चेहरे पर नमी और ताजगी बनी रहेगी.

स्किन में ग्लो लाने के लिए

स्किन में ग्लो लाने के लिए, आप एक चम्मच दही में, 20 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं. दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर फेस मास्क की तरह अप्लाई करें. इसके लगाने के 20 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें.

धूप से स्किन झुलसने पर

गर्मी में धूप की वजह से अगर चेहरे की स्किन झुलस जाए, तो इसके लिए आप रोजाना रात को सोने से पहले, गुलाब जल को रुई के ज़रिये अपने चेहरे पर लगाएं. पूरी रात इसे ऐसे ही लगा रहने दें. चेहरे की रंगत निखारने के लिए चेहरे की रंगत निखारने के लिए, आप एक चम्मच चंदन पाउडर में, दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं, इसमें एक चुटकी भीमसैनी कपूर भी मिला लें. इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं और सूखने तक ऐसे ही छोड़ दें. इसके बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें.

घूमना-फिरना ज़िंदगी का अहम हिस्सा

हर किसी के जीवन में घूमने-फिरने का अलग समय महत्व होता है। हालांकि जीवन के सबसे यादगार पल किसी ना किसी वेकेशन के तो होते ही हैं। कई सारे लोग ऐसे होते हैं जिनको घूमना फिरना पसंद नहीं होता कुछ ऐसे होते हैं जिनको हर 3 -4 महीने में उनका घूमने का प्लान बन ही जाता है। बात अगर ख़ास कर उनकी करें जिन्हे घूमने फिरने में कोई दिलचस्पी नहीं है या जो कहते हैं कि घूमने से टाइम वेस्ट होता है उनके लिए ये जानना जरूरी है कि घूमना क्यों जरूरी है।

ट्रैवल में आप अपनी ताकत, कमजोरी, इंपोर्टेंस को समझते हैं। आपको अपने आप को जानने का मौका मिलता है। अन्य जगहों के बारे में जानने का मौका मिलता है। पर्सनल ग्रोथ को इंहेंस करने के लिए ट्रैवलिंग बहुत जरूरी है। घूमने से आप अपने रोजाना के रूटीन से हट कर कुछ करते हैं। जो आपको आपके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने में मदद करता है। जिसकी मदद से आप ज्यादा फ्री महसूस करते हैं। सेल्फ डेवलपमेंट हर इंसान के लिए ज़रूरी होता है। तो इसलिए हर इंसान को घूमने फिरने के लिए अपने सेल्फ डेवलपमेंट के ट्रिप प्लैन करना चाहिए।

शांति सुकून हर किसी इंसान के ज़िन्दगी में मायनें रखता है। रोजाना के रूटीन में हर किसी का अपना एक शेड्यूल होता है। जो कई बार स्ट्रेस से भरा हुआ होता है। हम अपनी आत्मशांति खो देते हैं। हर किसी के ज़िन्दगी में एक ऐसा पल होता है जिससे वह निकलना चाहता है इन सब के लिए आपको एक पल शांति सुकून के नाम करना चाहिए। ऐसे में ट्रैवलिंग अच्छा ऑप्शन है, जो आपको घूमने फिरने नई जगहों को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। ट्रैवलिंग टेंशन को दूर करने में मदद करेगा। ट्रैवलिंग से ना केवल मन की शांति मिलती है बल्कि, यह आपके दिमाग को भी पूरी तरह से एक्सपेंड करता है, आप चीज़ों को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

ध्यान दें: वैक्सीनेशन के बाद साइड इफेक्ट्स को न करें नजरअंदाज

वैक्सीन के नैदानिक परीक्षण के साथ दर्ज किए गए सबसे आम इफेक्ट्स में फ्लू जैसे लक्षण शामिल हैं और ये अपेक्षित हैं। साथ ही ये प्रतिक्रियाशील माने जाते हैं। वैक्सीनेशन के बाद ये लक्षण नजर आएं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए न कि अपनी मर्जी से कोई दवा लेनी चाहिए।

वैक्सीन जब शरीर में अपने असर दिखाती है, तो इस दौरान कई साइड इफेक्ट्स नजर आते हैं। ऐसे में शरीर में दर्द और थकान जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। हमें इनसे घबराना नहीं है, बल्कि डॉक्टर द्वारा दी गई दवा का सेवन करें और अच्छे से आराम करें क्योंकि 2-3 दिनों में ये दिक्कतें दूर हो जाती हैं। कोरोना की वैक्सीन लेने के बाद जिस तरह कई व्यस्कों में बुखार आना देखा गया था, तो ठीक ऐसे ही माना जा सकता है कि बच्चों में हल्का या तेज बुखार आने जैसी दिक्कतें देखी जा सकती हैं, क्योंकि वैक्सीन अपना असर दिखाती है। ऐसे में डॉक्टर की निगरानी में रहें और अपने मन से किसी भी दवा का सेवन न करें।

उम्मीद की जा सकती है कि जिस जगह पर बच्चों को कोरोना का इंजेक्शन लगेगा, वहां उन्हें दर्द हो सकता है। जैसे व्यस्कों को हुआ था। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे को ज्यादा से ज्यादा आराम कराया जाए और कुछ दिन बाद ये दर्द छूमंतर हो जाता है।

क्या होते हैं ई-सिगरेट में?

ज्यादा से ज्यादा युवा ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें पारंपरिक धूम्रपान के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है। हालांकि यह भ्रामक प्रचार है, क्योंकि इनकी वैपिंग में करीब दो हजार रसायन होते हैं और इनमें से ज्यादातर रसायन ऐसे हैं, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इनमें बहुत से औद्योगिक रसायन और कैफीन शामिल हैं। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के हालिया शोध के मुताबिक, यद्यपि ई-सिगरेट में सिगरेट वाले तत्व काफी कम होते हैं और इन्हें सिगरेट के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन इन्हें कंबस्शन टेंपरेचर से कम पर जलाया जाता है, इसलिए इस बात के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलते हैं कि यह सिगरेट के मुकाबले में ज्यादा सुरक्षित है।

इसमें कहा गया है कि वैपिंग करने वालों को यह भी नहीं पता है कि वह जिस प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं, अभी उसके खतरों के बारे में पूरी जानकारी भी नहीं है। इन रसायनों से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। अध्ययन में छह संभावित हानिकारक पदार्थों की पहचान की गई है, जिनमें तीन ऐसे रसायन शामिल हैं जो पहले कभी ई-सिगरेट में नहीं पाएग ए थे। चार उत्पादों में से दो में उत्तेजक कैफीन शामिल मिला है। अध्ययन में आगे कहा गया है कि पहले भीई-सिगरेट में कैफीन मिली है, लेकिन केवल कॉफीव चॉकलेटफ्लेवर वाले ई-सिगरेट में। कंपनियों ने बिना बताए ही धूम्रपान करने वालों को ज्यादा किक देने के लिए ई-सिगरेट में इसे मिलाया होगा। कैफीन के अलावा, शोधकर्ता ओंने तीन औद्योगिक रसायनों, एक कीटनाशक और दोफ्लेवर की पहचान की, जिनका जहरीला प्रभाव हो सकता है या सांसों में जलन होती है। शोध में वैपिंग लिक्विड में हजारों अज्ञात रसायन पाए गए और एरोसोल में कंपाउंड्स की संख्या और भी बढ़ गई। इसके अलावा, आमतौर पर कंबस्शन से जुड़े संघनित हाइड्रोकार्बन जैसे कंपाउंड भी पाए गए, जबकि निर्माता ने दावा करते हैं कि वैपिंग में ऐसे कंपाउंड नहीं हैं। पारंपरिक सिगरेट में कंबस्शन के दौरान उत्पन्न संघनित हाइड्रोकार्बन विषाक्त होते हैं। ई-सिगरेट पर जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी का शोध इस मामले में पुराने अध्ययनों से अलग है कि इसमें पारंपरिक सिगरेट में पाए जाने वाले खतरनाक रसायनों के प्रमाण विशेषरूप से परखे गए। नए शोध में वैपिंग लिक्विड और एरोसोल में पाए जाने वाले सभी रसायनों का विश्लेषण किया गया। शोध के दौरान क्रोमैटोग्राफी और हाई रेजोल्यूशन स्पेक्ट्रोमेट्री के जरिये वैप सैंप्ल को टेस्ट किया गया। यह केमिकल फिंगरप्रिंटिंग की तकनीक है, जिसका प्रयोग पानी, भोजन और खून में विभिन्न कार्बनिक तत्वों की पहचान के लिए होता है। इसमें एमआई-साल्ट, वुसु, जूल और ब्लू के टोबैको फ्लेवर वाले लिक्विड को परखा गया।

कारपेट पर लगे हेयर डाई के दाग करें रिमूव

बालों को कलर करने का फैशन काफी ज़ोरों पर है। फिर भले ही सफेद बालों को डाई करना हो या फिर बालों के नेचुरल कलर पर अपने पसंद का कलर अप्लाई करना हो। ऐसे में हर बार पार्लर जाना तो मुमकिन होता नहीं है, इसलिए लोग ज्यादातर घर में ही बालों को डाई कर लेते हैं। लेकिन कई बार बालों को कलर करते समय डाई कारपेट पर भी गिर जाती है, जिसकी वजह से कारपेट पर गहरे निशान पड़ जाते हैं जो देखने में भद्दे नजर आते हैं। अगर इन दागों को रिमूव करने की कोशिश करो तो ये दाग आसानी से निकलते भी नहीं हैं। ऐसे में हम आपकी इस दिक्कत को दूर करने के लिए कुछ तरीके बता रहे हैं, जिनको आजमाकर आप कारपेट पर लगे हेयर डाई के दागों को आसानी से साथ हटा सकते हैं। आइये जानते हैं कि डाई के दाग हटाने के लिए क्या तरीके आजमाए जा सकते हैं।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल आप हेयर डाई के दाग को निकालने के लिए कर सकते हैं। ये नॉर्मल से लेकर परमानेंट हेयर डाई के दाग को हटाने में आपकी मदद करेगा। इतना ही नहीं इसके इस्तेमाल से कारपेट के रंग ख़राब होने का डर भी नहीं रहेगा। इसके लिए आप एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लिक्विड किसी बाउल में लेकर इसमें कॉटन बॉल को डिप कर लें। इसके बाद इसको दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से लगाकर लगभग दस मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद ब्रश की मदद से रगड़कर कारपेट को साफ़ करें। दाग आसानी से निकल जायेगा।

नींबू का रस

नींबू का रस भी आप कारपेट से हेयर डाई का दाग हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप नींबू के रस को दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से छिड़क दें। इसके बाद ब्रश की मदद से इसको रगड़कर साफ करें। अगर दाग एक बार में साफ नहीं होता है तो आप इस प्रोसेस को फिर से दोहरा सकते हैं।

नेल पैंट रिमूवर

नेल पेंट रिमूवर की मदद भी आप कारपेट पर लगे दाग को हटाने के लिए ले सकते हैं। इसके लिए आप नेल पेंट रिमूवर को कॉटन बॉल के जरिए कारपेट पर अच्छी तरह से लगा दें और कुछ देर ऐसे ही लगा छोड़ दें। इसके बाद किसी सूती कपड़े से रगड़ कर दाग को निकालें। दाग आसानी के साथ रिमूव हो जाएगा।

सोडियम थायोसल्फेट

कारपेट से हेयर डाई के साथ किसी भी तरह के दागों को हटाने के लिए आप सोडियम थायोसल्फेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले एक से दो कप पानी को गर्म कर लें, फिर इसमें एक चम्मच सोडियम थायोसल्फेट डालकर घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को आप स्प्रे बॉटल में भरकर दाग वाली जगह पर छिड़काव कर दें या फिर किसी सूती कपड़े के जरिए इस घोल को दाग पर अच्छी तरह से लगा कर 5 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ब्रश से रगड़कर दाग को हटाएं।

आज की रेसिपी

अंजीर की खीर

हैदराबादी अंजीर की खीर रेसिपी: यह एक बहुत ही स्वादिष्ट खीर की रेसिपी है जिसमें आपको अंजीर की गुडनेस के साथ केसर, राइस और इलाइची का स्वाद भी मिलेगा.

सामग्री :

- 1 कप रात भर भीगे हुए अंजीर
- मुट्ठी भर चावल (3-4 घंटे के लिए भिगोए हुए)
- 1 लीटर दूध
- 4-5 टेबल स्पून कडेंस्सेड मिल्क
- 6-7 केसर रेशे
- 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर

विधि :

- भिगोए हुए अंजीर को पीसकर एक पेस्ट बना लें और एक तरफ रख दें.
- चावल का भी एक पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें.
- तीन-चार मिनट के लिए मध्यम आंच पर सॉस पैन में दूध को पकाएं.
- इसमें चावल का पेस्ट डालें और इसे लगातार चलाएं ताकि इसमें गांठे न पड़ें.
- अंजीर का पेस्ट डालें और इसे लगातार चलाएं.
- जब आपको एक गाढ़ा और क्रीमी मिश्रण मिल जाए तो इसमें कडेंस्सेड मिल्क और केसर डालकर उबालें.
- आखिर में इसमें इलाइची पाउडर डालें, इसे अच्छे से मिलाएं और छोटे बाउलस में निकालकर सर्व करें.

एडिलेड इंटरनेशनल में सानिया मिर्जा की धमाकेदार शुरुआत

स्पोर्ट्स डेस्क

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने साल की शुरूआत शानदार अंदाज में की है। उन्होंने एडिलेड इंटरनेशनल टूनार्मेंट के पहले राउंड में धमाकेदार जीत दर्ज की है। सानिया ने महिला युगल के प्री-क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की नादिया किचेनोक के साथ मिलकर दूसरी वरीयता प्राप्त गैबरिएला डबरोस्की और जियुलियाना ओलमोस की जोड़ी को हराया। दूसरी ओर, पुरुषों में रामकुमार रामनाथन और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने जीत के साथ शुरूआत की। सानिया और नादिया की जोड़ी मैच के पहले सेट में 1-6 से हार गई थी। इसके बाद दोनों ने शानदार वापसी की। सानिया-नादिया ने दूसरे सेट को 6-3 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में मैक्सिको की ओलमोस और कनाडा की डबरोस्की ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, सानिया और नादिया की जोड़ी कड़े संघर्ष के बाद तीसरे सेट को 10-8 से अपने नाम करने में सफल रही। रामकुमार रामनाथन और रोहन बोपन्ना पहली बार किसी एटीपी टूनार्मेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे हैं। दोनों ने अमेरिका के जेमी सेरेटनी और ब्राजील के फर्नांडो रोमबोली की जोड़ी को 6-2, 6-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही रामकुमार और बोपन्ना प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। वहां उनका मुकाबला अमेरिकी जोड़ी नाथानियल लेमोन्स और जैक्सन बिथ्रो की जोड़ी से होगा। मैच जीतने के बाद रामकुमान ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात की। उन्होंने कहा कि हमारा मैच शानदार रहा। हम बेहतरीन तरीके सर्व और रिटर्न कर रहे थे। हम एक साथ बेहतर खेले और योजना के अनुसार काम किया। हमने पहले एक साथ अभ्यास किया था। उसका फायदा इस मैच में मिला। हमेशा बोपन्ना के साथ खेलने में मजा आता है। वे काफी अनुभवी हैं। उन्होंने मेरी काफी मदद की है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरा टेस्ट मैच

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 229 पर आउट

भारत के दूसरी पारी में 44 रन पर गिरे दो विकेट

स्पोर्ट्स डेस्क

जोहान्सबर्ग। भारत ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को 229 रन पर समेट दिया है। शार्दुल ठाकुर की कहर बरपाती गेंदों के सामने अफ्रीकी टीम नहीं टिक सकी और दूसरे दिन नौ विकेट गंवा दिए। शार्दुल ने आज के दिन 61 रन देकर सात विकेट झटके। यह किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा दक्षिण अफ्रीका में बेस्ट स्पेल है। इससे पहले हरभजन सिंह ने 2010/11 में केप टाउन में 120 रन देकर सात विकेट लिए थे। फिलहाल दूसरी पारी में भारतीय ओपनर्स केएल राहुल और मयंक अग्रवाल क्रीज पर हैं।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 202 रन बनाए थे। इस हिसाब से दक्षिण अफ्रीका ने भारत पर 27 रन की बढ़त हासिल कर ली है। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को एक विकेट पर 35 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान डीन एल्गर और कीगन पीटरसन ने दूसरे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद कप्तान केएल राहुल ने शार्दुल ठाकुर को बॉलिंग पर लगाया। शार्दुल ने कप्तान को नाराज नहीं किया और एल्गर को पंत के हाथों कैच कराकर साझेदारी तोड़ी। वह 120 गेंदों पर 28 रन बना सके।

इसी बीच पीटरसन ने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। एल्गर को आउट करने के बाद शार्दुल ने पीटरसन को भी मयंक के हाथों कैच कराया। पीटरसन ने 118 गेंदों पर 62 रन की पारी खेली। इसके बाद शार्दुल ने वान डर डुसेन (1) को भी जल्दी पवेलियन भेज दिया। इसके बाद तेम्बा बावुमा और वेरेन ने पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। शार्दुल ने वेरेन (21) को एलबीडब्ल्यू कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इस बीच बावुमा ने टेस्ट करियर की 17वीं फिफ्टी लगाई। हालांकि, इसके बाद वह अपना विकेट गंवा बैठे। शार्दुल ने बावुमा (51) को पंत के हाथों कैच कराया। रबाडा को शून्य पर शमी ने सिराज के हाथों कैच कराया। इसके बाद केशव महाराज और मार्को जेन्सन ने आठवें विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की। बुमराह ने महाराज को क्लीन बोल्ड किया। उन्होंने 21 रन की पारी खेली। इसके बाद शार्दुल ने जेन्सन और एनगिडी को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पारी को 229 रन पर समेट दिया। शार्दुल ने सात विकेट झटके। इसके अलावा शमी को दो और बुमराह को एक विकेट मिला।

चेल्सी ने लिवरपूल को बराबरी पर रोका

लंदन। चेल्सी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल मुकाबले में चार मिनट में दो गोल दागकर लिवरपूल को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। मैच के चारों गोल खेल के पहले हाफ में हुए। दूसरे हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस ड्रॉ कर फायदा शीर्ष पर चल रहे मैनचेस्टर सिटी (53) को मिला, जिसने दस अंकों की मजबूत बढ़त बना ली है। चेल्सी 21 मैचों में 12 जीत और सात ड्रॉ से 43 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। लिवरपूल के 20 मैचों में 12 जीत और 6 ड्रॉ से 42 है और वह तीसरे स्थान पर है।

लिवरपूल को सादियो माने (9वें मिनट) और मोहम्मद सालाह (26वें मिनट) ने गोल कर शुरूआती आधे घंटे से पहले ही बढ़त दिला दी। माने ने नौ मैचों के बाद टीम के लिए कोई गोल किया। चेल्सी के लिए मैटियो कावोसिच (42वें मिनट) और क्रिस्टियन पुलिसिच (45+1वें मिनट) ने गोल किए।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को मिली विशेष छूट

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2022 में खेलने की पुष्टि कर दी है। 20 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता और सर्बियाई दिग्गज ने मंगलवार को एयरपोर्ट की अपनी तस्वीर साझा कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्हें अपवाद के तौर पर आस्ट्रेलिया जाने की अनुमति मिल गई है।

जोकोविच ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, 'मैंने ब्रेक के दौरान अपने परिवार वालों के साथ शानदार क्वॉलिटी समय बिताया है और आज मैं विशेष छूट के साथ जा रहा हूं।'

जोकोविच इससे पहले लगातार यह बताने से इनकार कर रहे थे कि उन्होंने कोरोना वायरस का टीका लगवाया है या नहीं जबकि मेलबर्न जाने के लिए यह बताना जरूरी है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के क्वारंटीन नियम की आलोचना करते हुए साल के पहले ग्रैंडस्लैम में अपनी हिस्सेदारी पर संशय की स्थिति बनाई हुई थी। जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले सिडनी में खेली जा रहे एटीपी कप में सर्बिया की टीम से भी अपना नाम वापस ले लिया था।

नोवाक ने मेलबर्न रवाना होने से पहले पिछले कुछ दिन स्पेन के मारबेला में अभ्यास किया और उनकी निगाह अब ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम करने पर होगी। वह फिलहाल रोजर फेडरर और राफेल नडाल के समान 20 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीत चुके हैं।

साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन का आयोजन 17-30 जनवरी तक होगा लेकिन इस बार ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों और स्टॉफ के लिए कड़ी पाबंदियां और सख्त कोविड-19 नियम बनाए हैं।

एफआईएच प्रो लीग में एशियाई खेलों के लिए नए संयोजन आजमाएंगे : मनप्रीत

एजेंसी ■ बेंगलुरू

इस साल एशियाई खेलों में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि इसकी तैयारी के लिए एफआईएच प्रो लीग में नए संयोजनों को आजमाया जाएगा। मनप्रीत की अगुवाई में भारत ने तोक्यो में 41 साल में पहला ओलंपिक पदक जीता था। भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। उन्होंने कहा , एशियाई खेल इस साल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट होगा।इसमें प्रतिस्पर्धा काफी कठिन होगी क्योंकि हर टीम स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक का टिकट कटाना चाहेगी। एशियाई खेल 10 सितंबर से शुरू होंगे और स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेगी। भारत ने जकार्ता में 2018 में हुए एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। एफआईएच प्रो लीग भुवनेश्वर में फरवरी में खेली जाएगी जिसमें भारत का सामना स्पेन, जर्मनी, अर्जेंटीना और इंग्लैंड से होगा। मनप्रीत ने कहा , यह साल काफी रोमांचक होगा जिसमें एक के बाद एक टूर्नामेंट होने हैं। फरवरी में एफआईएच प्रो लीग खेली जाएगी। हम दो साल बाद भुवनेश्वर में खेलेंगे। एफआईएच प्रो लीग से हमें एशियाई खेलों से पहले अच्छा अभ्यास मिलेगा। इसमें हम अलग अलग संयोजन आजमा सकेंगे। भारतीय खिलाड़ी बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। मनप्रीत ने कहा , दस दिन का ब्रेक अच्छा रहा जिसमें हमने अपने परिवार के साथ समय बिताया। हम मानसिक रूप से तरोताजा होकर शिविर में पहुंचेंगे। इसमें पिछले साल के प्रदर्शन का आकलन करके आगे के लिए रणनीति भी तैयार करेंगे।

एशेज में ब्रॉड की सीमित भूमिका से स्मिथ हैरान

एजेंसी ■ सिडनी

आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने सोमवार को कहा कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की वर्तमान एशेज श्रृंखला में सीमित भूमिका से यहां तक कि घरेलू टीम भी हैरान है। इंग्लैंड के लिए 150 मैचों में 526 विकेट लेने वाले ब्रॉड को एडीलेड में दूसरे टेस्ट के लिए टीम में लिया गया था लेकिन वह पहले और तीसरे मैच में नहीं खेले थे। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार स्मिथ ने कहा, हम थोड़ा हैरान थे। उसे उन दो मैचों से बाहर रखा गया जिसमें विकेट उसके अनुकूल थे। स्मिथ ने कहा,उसने एडीलेड में अच्छी गेंदबाजी की। उसके साथ हमेशा मेरी अच्छी प्रतिस्पर्धा रही है। उसने मुझे कई बार आउट किया है। मैंने भी उसके खिलाफ कुछ रन बनाए हैं। यह अच्छा मुकाबला रहा है। ब्रॉड के बुधवार से यहां शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में वापसी करने की संभावना है। आस्ट्रेलिया ने श्रृंखला में 3-0 की बढ़त बना रखी है और इंग्लैंड अब क्लीन स्वीप से बचने की कोशिश करेगा। स्मिथ ने कहा, उनके पास शानदार गेंदबाज हैं। वह (ब्रॉड) और जिम्मी (एंडरसन) विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और लंबे समय से अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। हो सकता है इस सप्ताह वे दोनों खेलें।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉक्ले भी कोविड की चपेट में आए

एजेंसी ■ सिडनी

एशेज श्रृंखला के दौरान कोविड-19 के बढ़ते खतरे के बीच क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले का परीक्षण भी पॉजिटिव आया है लेकिन देश के बोर्ड ने सोमवार को कहा कि उनका टीम के खिलाड़ियों से सीधा संपर्क नहीं था। हॉकले का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। उनमें हल्के लक्षण पाए जाने के बाद पीसीआर परीक्षण किया गया था। वह अभी पृथकवास पर हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, क्रिकेट आस्ट्रेलिया के जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार उनका आस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट टीम या अन्य टीमों के साथ किसी भी तरह का सीधा संपर्क नहीं था। हॉकले ने कहा, मामूली लक्षण पाए जाने के बाद मैंने तुरंत पीसीआर परीक्षण करवाया और मेरा परीक्षण पॉजिटिव आया है। मैंने तुरंत ही घर में स्वयं को अलग थलग कर दिया है। मेरे परिजनों का परीक्षण नेगेटिव आया है। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड वायरस से संक्रमित होने के कारण अगले मैच में नहीं खेल पाएंगे जबकि इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड सहित सहयोगी स्टाफ के चार सदस्यों तथा मैच रेफरी डेविड बून का परीक्षण भी पॉजिटिव आया है।

अंडर-19

अंडर -19 एशिया कप की जीत सही दिशा में बढ़ा कदम, सभी ने प्रदर्शन किया : कानितकर

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय अंडर-19 टीम के मुख्य कोच हृषिकेश कानितकर ने अंडर-19 एशिया कप की खिताबी जीत को सही दिशा में बढ़ाया गया कदम करार दिया जिसमें केवल एक खिलाड़ी नहीं बल्कि कई खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके इस महीने के आखिर में वेस्टइंडीज में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले अपनी तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया। भारत ने शुक्रवार को दुबई में बारिश से प्रभावित फाइनल में श्रीलंका को नौ विकेट से हराकर रिकॉर्ड आठवां खिताब जीतकर टूर्नामेंट में अपना वर्चस्व बरकरार रखा। कानितकर ने दुबई से फोन पर पीटीआई से कहा, मुझे लगता है कि यह सही दिशा में बढ़ाया गया कदम है। हमारे अधिकतर खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया और हमने मैच जीते। भारत को प्रतियोगिता में एकमात्र हार लीग चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मिली थी। पाकिस्तान सेमीफाइनल में श्रीलंका से हार गया था। कानितकर ने कहा, हमें केवल कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहना था और कोचिंग के दृष्टिकोण से यह अच्छा संकेत होता है जब अधिक खिलाड़ी जीत में योगदान देते हैं और हम केवल कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए इस दृष्टिकोण से मैं संतुष्ट हूं और मैच काफी कड़े थे तथा चार या पांच मैचों में से तीन में हमें कड़ी चुनौती मिली। भारत की तरफ से दो टेस्ट और 34 वनडे खेलने वाले कानितकर ने कहा, मैच अभ्यास के लिहाज से यह शानदार तैयारी है और अब हमारे सामने बड़ा लक्ष्य विश्व कप है। भारतीय टीम अब विश्व कप में भाग लेने जाएगी जो 14 जनवरी से पांच फरवरी के बीच खेला जाएगा तथा कानितकर ने कहा कि यश धुल की अगुवाई वाली टीम एक समय में एक मैच पर ध्यान देगी। कानितकर ने कहा, हम एक बार में एक मैच पर ध्यान देने की योजना बना रहे हैं और बहुत आगे के बारे नहीं सोच रहे हैं।

टेस्ट मैच

बांग्लादेश ने उपमहाद्वीप से बाहर किसी भी प्रारूप में न्यूजीलैंड को नहीं हराया है।

न्यूजीलैंड के 328 के जवाब में बांग्लादेश के छह विकेट पर 401 रन

एजेंसी ■ माउंट मोनगानुई

कप्तान मोमिनुल हक (88) और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास (86) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 158 रन की साझेदारी के दम पर बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 401 रन बनाकर सोमवार को यहां अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। कप्तान मोमिनुल ने 244 गेंद की पारी में 12 चौके जड़े जबकि लिटन ने 177 गेंद की पारी में 10 चौके लगाए। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 328 रन बनाए थे। बांग्लादेश ने इस तरह पहली पारी में 73 रन की बढ़त हासिल कर ली है और उसके चार विकेट शेष है। यह विदेशी मैदान पर बांग्लादेश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है। बांग्लादेश ने उपमहाद्वीप से बाहर किसी भी प्रारूप में न्यूजीलैंड को नहीं हराया है। तीसरे दिन स्टंप्स के समय यासिर अली (11) और मेहदी हसन मिराज (20) क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 175 रन से की। उस समय महमुदुल हसन जॉय 70 रन पर नाबाद थे। नील वैगनर ने दिन के तीसरे ओवर में हालांकि उन्हें आउट कर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। हसन ने 228 गेंद की पारी में 78 रन बनाने के दौरान सात चौके जड़े। इसके बाद ट्रेंट बोल्ट ने अनुभवी मुशफिकुर रहीम (12) को आउट किया। इस समय बांग्लादेश का स्कोर चार विकेट पर 203 रन था। मोमिनुल और लिटन ने इसके बाद हालांकि शानदार बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को 52 ओवर तक सफलता से दूर रखा। टीम ने इस दौरान चाय के सत्र के 20 मिनट के बाद न्यूजीलैंड के स्कोर को पीछे छोड दिया।

बांग्लादेश ने इस तरह पहली पारी में 73 रन की बढ़त हासिल कर ली है और उसके चार विकेट शेष है।